

**Weather Report**  
अधिकतम तापमान: 32.0°C  
न्यूनतम तापमान: 21.0°C  
हवा गति: 11 कि./घं.  
जयपुर सूर्योदय समय  
सुबह: 6:06

# संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार

जयपुर, सोमवार, 05 अगस्त 2024

**अब होगी सुविधाओं की बात**  
संजीवनी टुडे के साथ  
जम्हाइरत, वैवाहिक वर्धनांग एवं  
निवृत्ति बढाई संदेश  
मात्र 1100/-  
साइज 8X9 cm  
**संजीवनी टुडे**  
संजीवनी टुडे का पता: जयपुर, राजस्थान  
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 61 पृष्ठ: 8 मूल्य: 1.50

अब राजस्थान में भी तैयार होंगे पायलट

बारिश के चलते जैसलमेर के स्कूलों में आज की छुट्टी

## प्रदेश की पहली फ्लाइट एकेडमी किशनगढ़ में शुरू, अमेरिका-जर्मनी से आए 6 विमान

## 5 जिलों में तेज बरसात, 5 बच्चों की मौत, 20 जिलों में अलर्ट, बांध ओवर फ्लो

संजीवनी टुडे

किशनगढ़ (अजमेर)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अजमेर के किशनगढ़ में राजस्थान की पहली फ्लाइट एकेडमी की शुरुआत की है। अब पायलट बनने का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स को राजस्थान में ही ट्रेनिंग मिल सकेगी। इसके लिए उनको दिल्ली, मुंबई या विदेश नहीं जाना पड़ेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अवस्था एविएशन एकेडमी की ओर से इस सेंटर का संचालन किया जाएगा। इसके लिए अमेरिका से 5 और जर्मनी से 1 विमान खरीदा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की उड़ान प्रशिक्षण संगठन नीति (एफटीओ) के तहत एकेडमी खोलने के लिए देश में 10 एयरपोर्ट का चयन किया गया था। किशनगढ़ को भी इसमें चुना गया। रविवार को उड़ान के दौरान पहले विमान ने उड़ान भरी तो उसे वाटर केनन सैल्यूट भी दिया गया। एयरपोर्ट के निदेशक वीएल मीणा ने बताया- किशनगढ़ में एफटीओ संचालित करने के लिए दिल्ली की अवस्था कंस्ट्रक्शन कंपनी को 25 साल की लीज पर जगह आवंटित की गई है। कंपनी ने एकेडमी के लिए एयरपोर्ट के पास ही फरासिया में स्कूल शुरू कर राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को बेसिक जानकारी मुहैया कराना शुरू कर दिया है। कंपनी ने स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल करने के लिए यूएस से 6 पाइपर आर्चर पीए-28-181 छोटे विमान और जर्मनी से डबल इंजन वाला डीए डायमंड 43 एनजी खरीदा है।



### सीएम बोले- राजस्थान भरेगा ऊंची उड़ान

किशनगढ़ एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- एक ऐसी यात्रा शुरू हुई है, जिससे राजस्थान भी ऊंची उड़ान भरेगा। ये तो शुरूआत है। इस तरह के राजस्थान में अभी और कई काम होंगे। ये एक ऐसा क्षेत्र है, जहां टीम वर्क और धैर्य के साथ काम करना होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हम विकसित भारत और विकसित राजस्थान की कल्पना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। केंद्र सरकार ने 21 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की घोषणा की है। किशनगढ़ एयरपोर्ट को आगे बढ़ाने के लिए जमीन ही नहीं और किसी चीज की आवश्यकता होगी, वह उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा और स्पीकर वासुदेव देवनानी के साथ ही केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, जालोर सांसद लुंबाराम भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा और स्पीकर वासुदेव देवनानी के साथ ही केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, जालोर सांसद लुंबाराम भी मौजूद रहे।

### भीलवाड़ा-झालावाड़ एयरपोर्ट को भी आगे बढ़ाएं

सीएम ने कहा- भारत तीसरा सबसे तेजी से बढ़ता हुआ एविएशन बाजार है। भारतीय हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या हर साल 15 फीसदी बढ़ रही है। ये सालाना 37 करोड़ 6 लाख पहुंच गई है। हवाई अड्डों पर एयरक्राफ्ट भी बढ़ा है। इस क्षेत्र की तरक्की से प्रदेश में पर्यटन, उद्योग और व्यापार भी बढ़ेगा। राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से बहुत आगे है। इसी तरह हम हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) और झालावाड़ एयरपोर्ट को आगे बढ़ाना चाहते हैं। व्यापारी, उद्योगपति राजस्थान आएंगे तो उनको हर सुविधा उपलब्ध करवाएंगे। हमारी शर्तों पर उनको उद्योग के लिए सुविधा देंगे। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को हम आगे लेकर आएंगे। कई योजनाएं इसके लिए शुरू की गई हैं। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि ये एकेडमी राजस्थान में एविएशन के सेक्टर में नए अवसर पैदा करेगी। साथ ही युवा शक्ति को आगे बढ़ाएगी। भारत में 2014 में 74 एयरपोर्ट थे, जो अब 150 से ज्यादा हो गए हैं। छोटे 6 विमान किशनगढ़ पहुंच गए हैं, जबकि डबल इंजन विमान कुछ दिनों में आ जाएंगे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर राजस्थान की पहली फ्लाइट एकेडमी शुरू हुई है। जहां विमान उड़ाने की 10 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को कंपनी इस जगह का रेंट देगी। साथ ही प्रत्येक स्टूडेंट के फ्लाई आवर (घंटे) के हिसाब से भी रनवे इस्तेमाल करने का चार्ज देगी।



संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में रविवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। झालावाड़, उदयपुर, पाली, माउंट आबू (सिराही) और भरतपुर में तेज बरसात हुई। माउंट आबू में पिछले 24 घंटे में 50 एमएम बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर ने कोटा संभाग के तीन जिलों कोटा, बारा और झालावाड़ में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया। वहीं, 11 जगह ऑरेंज और 8 जगह येलो अलर्ट जारी किया गया है। जैसलमेर में भारी बारिश की चेतावनी के चलते सोमवार (5 अगस्त) को स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी नैना राम जाणी ने इसके आदेश जारी किए। राजस्थान में मानसून सीजन में अब तक 21 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राज्य में आमतौर पर मानसून सीजन में 1 जून से 3 अगस्त तक 231.3 एमएम औसत बरसात होती है, जबकि इस सीजन में अब तक 280.6 एमएम बरसात हो चुकी है। शनिवार को भी कई जिलों में तेज बारिश हुई। बालोतरा के जसोल थाना क्षेत्र में पानी भर गढ़ने में डूबने से तीन और जयपुर में दो बच्चों की मौत हुई। जयपुर में बच्चों को दोपहर पत्थर की खदान में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। 12 फीट गहरी खदान में बरसे बरसात के पानी में दोनों बच्चे नहाने के लिए

उतरे थे। खदान के पास कपड़े-चप्पल मिलने पर बच्चों के डूबने का पता चला। हरमाड़ा थाना पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से सर्व ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने करीब दो घंटे की मशकत के बाद शव बाहर निकाले। एएसएचओ (हरमाड़ा) विलीप खदाव ने बताया- नौदड़ मोड़ के पास स्थित पत्थर खदान में हादसा हुआ है। हरमाड़ा के नोखा गांव निवासी अंश दीप (12) और विद्या (11) की मौत हुई। पुलिस के अनुसार जसोल (बालोतरा) के बुडिवाड़ा गांव में शाम करीब 5 बजे तीन बच्चों की मौत हुई। तीनों बच्चे भट्टाराम (8) पुत्र मुकेश भील, देवाराम (11) पुत्र वीताराम भील, पवनी (5) पुत्री वीताराम भील खेलने के लिए घर से निकले थे। घर से ही करीब 600 मीटर दूर तीन बच्चे गढ़ने में नहाने के लिए उतर गए।

## बिहार सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी ऑफिशियल ई-मेल पर अलकायदा ग्रुप के नाम से आया मैसेज, सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज

संजीवनी टुडे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जो भी ई-मेल के जरिए धमकी भरा ई-मेल सीधे तौर पर सीएमओ के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजा गया था। धमकी भरे ई-मेल में जौकाने वाली बात यह है कि इसमें सीएमओ को बम से उड़ाने की बात लिखने के साथ ही 'अलकायदा ग्रुप' लिखा हुआ था। पुलिस की माने तो सीएमओ के सरकारी मेल आईडी पर मेल आया कि सीएमओ को बम से उड़ा दिया जाएगा। बिहार की स्पेशल पुलिस भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। इसे हलके में लेने की कोशिश न करें। मेल अलकायदा ग्रुप के नाम से भेजा गया था। इसे पढ़ने के बाद से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया। जिसके बाद मामले की जानकारी पटना पुलिस को दी गई। तब शुरूआती जांच के बाद सचिवालय थाना में 2 अगस्त को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई। जिस ईमेल आईडी से धमकी भरा मैसेज आया है, उसी को पुलिस ने नामजद किया है।



भेजी गई थी। पुलिस के अनुसार अब इस बात का पता लगाया जा रहा है कि ये ई-मेल आईडी किसकी है? सच में ये धमकी किसी अलकायदा ग्रुप ने भेजी है? इस तरह के कई सवाल हैं, जिसके जवाब पुलिस अपने जांच के जरिए तलाश रही है। उन्होंने इस मामले की पड़ताल शुरू भी कर दी है। अपने बयान में उन्होंने लिखा है कि 'मैं संजीव कुमार पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सचिवालय थाना, जिला पटना के पद पर पदस्थपित हूँ। इस प्रकार की धमकी सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाना एक संज्ञेय अपराध है। इस अपराध के लिए ईमेल धारक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा- 351(2)। (3) एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा-68 (1) के अंतर्गत औपचारिक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

### थानेदार ने अपने बयान पर दर्ज की एफआईआर

इंस्पेक्टर संजीव कुमार सचिवालय के थानेदार हैं। इन्होंने अपने बयान पर एफआईआर दर्ज की है। साथ ही वो खुद ही इस केस के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर भी हैं। आज दिनांक 02.08.24 को समय करीब 05:35 बजे संस्था में सचिवालय थाना में अपना बयान दर्ज करता हूँ कि दिनांक - 16.07.24 को कि सीएमओ बिहार पटना के कार्यालय के ई-मेल आईडी पर, ईमेल धारक के द्वारा बम से उड़ाने अलकायदा ग्रुप' लिखा हुआ धमकी भरा मैसेज भेजा गया है।

## वक्फ बोर्ड किसी जमीन को अपनी संपत्ति नहीं बता सकेगा केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए बिल लाएगी, कैबिनेट की मंजूरी मिली

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही मौजूदा वक्फ एक्ट में करीब 40 संशोधन करने की तैयारी में है। इसे लेकर सरकार इसी सत्र में एक नया बिल लेकर आ सकती है। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। नए बिल में इस पर रोक लगाई जा सकती है। सूत्रों को मुताबिक शुक्रवार (2 अगस्त) को हुई कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी भी मिल गई है। प्रस्तावित बिल में मौजूदा एक्ट की कुछ धाराओं को हटाया भी जा सकता है। संसद का मानसून सत्र अभी 12 अगस्त तक चलना है। देश में रेलवे और सशस्त्र बल के बाद सबसे ज्यादा जमीन पर मालिकाना हक रखने वाली संस्था वक्फ बोर्ड है। संशोधनों के बाद किसी भी जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की जवाबदेही बढ़ेगी और मनमानी पर रोक लगेगी। बोर्ड के पुनर्गठन से बोर्ड में सभी वर्गों समेत महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। मुस्लिम बुद्धिजीवी, महिलाएं और शिया और बोहरा जैसे समूह लंबे समय से मौजूदा कानूनों में बदलाव की मांग कर रहे हैं।



### ओवैसी बोले- भाजपा हमेशा से वक्फ बोर्ड के खिलाफ रही है

वक्फ एक्ट में संशोधन की अटकलों को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो जब संसद सत्र चल रहा है, तो केंद्र सरकार संसद की सर्वोच्चता और विशेषाधिकारों के खिलाफ काम कर रही है और इसकी जानकारी संसद को देने की बाजबय मीडिया को दे रही है। ओवैसी ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन को लेकर मीडिया में जो भी कहा जा रहा है, उससे यह पता चलता है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी छीनना चाहती है और उसमें दखल देना चाहती है। यह धर्म की स्वतंत्रता के खिलाफ है। आगे उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह कि भाजपा हमेशा से इस बोर्ड और वक्फ की संपत्तियों के खिलाफ रही है। उनका हिंदुत्व का एजेंडा है। अब अगर आप वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में बदलाव करना चाहते हैं, तो इससे प्रशासनिक स्तर पर अव्यवस्था होगी, वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी खत्म होगी और अगर सरकार वक्फ बोर्ड पर अपना कंट्रोल बढ़ाती है तो वक्फ की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अगर कोई विवादित संपत्ति है, तो ये लोग कहेंगे कि वह विवादित है और हम उसका सर्वे कराएंगे। यह सर्वे भाजपा के मुख्यमंत्री करेंगे और आप जानते ही हैं कि इसके नतीजे क्या होंगे।

## महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक पार्टी 288 में से 120 सीटों पर लड़ने की तैयारी में, 7 अगस्त को एमबीए की मीटिंग

संजीवनी टुडे

मुंबई। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मुंबई में आज (4 अगस्त) मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की दो अलग-अलग बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी ने 7 अगस्त को होने वाली विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी की मीटिंग को लेकर अपनी रणनीति बनाई। लोकसभा चुनाव में 13 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस कारण कांग्रेस लगातार ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से करीब 110-120 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। 7 अगस्त को विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग का फॉर्मूला और अन्य पहलुओं पर महाविकास अघाड़ी की बैठक होगी है। इसमें शिवसेना, कांग्रेस, गण-शरदचंद्र पवार तीनों प्रमुख पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना वल्लो विधानसभा सीट पर शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार सकती है। इस सीट से मनसे संदीप देशपांडे को मैदान में उतारने की संभावना है।

### मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष बोर्ली- मीटिंग में पार्टी ने चुनाव की रणनीति बनाई

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने कहा- महाविकास आघाड़ी की बैठक से पहले मुंबई में मुंबई कांग्रेस और महाराष्ट्र कांग्रेस की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चैनिथला के सामने विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति, मुद्दों पर चर्चा हुई। आगे उन्होंने कहा कि मुंबई को लेकर मेरी बात उद्भव ठाकरे से हुई है। बातचीत का दौर अभी शुरू है। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बैठक में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री पुष्पजीराज चव्हाण, बालासाहेब थोरात, वर्षा गायकवाड़ समेत महाराष्ट्र कांग्रेस के तमाम बड़े नेता मौजूद रहेंगे। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं आई है। मनसे नेता देशपांडे वल्लो निर्वासियों की समस्याओं को लगातार उठा रहे हैं। शनिवार को राज ठाकरे ने वल्लो की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। महाराष्ट्र में इस वक्त बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार है। इसका कार्यकाल 8 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी गठबंधन में बात नहीं बन पाई। 56 विधायकों वाली शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली गण-के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाकर सरकार बनाई। शिवसेना प्रमुख उद्भव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।



## वायनाड लैंडस्लाइड, तबाह घरों में चोरी हो रही अब तक 365 मौतें, 206 लापता, केंद्रल के सीएम बोले- पुनर्वास के लिए टाउनशिप बनाएं

संजीवनी टुडे

वायनाड। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की आधी रात भारी बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 365 पहुंच गई है। इनमें 30 बच्चे शामिल हैं। हादसे के छठे दिन भी आज रविवार (4 अगस्त) को सर्व ऑपरेशन जारी है। 206 लोग अब भी लापता हैं। केरल के एच पी. विजयन ने शनिवार को कहा- वायनाड लैंडस्लाइड में घर-जमीन खो चुके लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार एक टाउनशिप बनाएगी। यहां लैंडस्लाइड प्रभावित इलाके में बचे हुए लोगों को बसाया जाएगा। राहुल गांधी और कर्नाटक सरकार ने भी लैंडस्लाइड पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने का ऐलान किया है। इधर लैंडस्लाइड के बाद रिलीफ कैम्प में रह रहे लोगों का कहना है कि उनके घरों में चोरियां हो रही हैं। कुछ लोग रात के समय आकर घरों से कीमती सामान चुरा रहे हैं। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अब पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए पेट्रोलिंग कर रही है। लैंडस्लाइड के छठे दिन आज रविवार को सुबह 7 बजे से सर्व ऑपरेशन शुरू हो गया है। छह टीमों में शामिल 1264 लोग मुंडक्कई, चुयलमाला और सामलीमट्टम में सर्व ऑपरेशन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने शनिवार को कहा था कि रेस्क्यू ऑपरेशन अंतिम चरण में है। मौसम विभाग ने आज केरल के 6 जिलों कासरोगड, कन्नूर, वायनाड, कोझिकोड, इडुक्की और कोट्टायम में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। केरल के मंत्री एके ससींद्रन ने कहा- हमने लैंडस्लाइड प्रभावित इलाके को 6 जोन में बांटा है। हर जोन में 40 लोगों की टीम सर्व ऑपरेशन चला रही है। इसके लिए स्थानीय लोगों की भी मदद ली जा रही है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को वायनाड में लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने कहा- लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने की मांग की वैधता की जांच की जाएगी।

## असम में सरकारी नौकरी के लिए वहीं जन्म होना जरूरी हिमंत सरकार नए कानून बना रही, लव-जिहाद के आरोपी को उम्रकैद की सजा दी जाएगी

संजीवनी टुडे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सर्मा ने रविवार (4 अगस्त) को तीन बड़े ऐलान किए। पहला यह कि जल्द ही असम में सरकारी नौकरी उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो असम में ही पैदा हुए हैं। दूसरा, लव-जिहाद के मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा दी जाएगी। तीसरा, असम सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जमीन की बिक्री के संबंध में भी फैसला लिया है। हालांकि सरकार इसे रोक नहीं सकती, लेकिन खरीद-बिक्री से पहले मुख्यमंत्री की सहमति लेना जरूरी कर दिया गया है। सरमा ने ये बातें भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कहीं। भाजपा राज्य के लोगों के दिलों में है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हैं जो हमेशा असम के बारे में सोचते हैं और करते हैं। पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव होंगे और मुझे उम्मीद है कि हम कम से कम 5 में से 4 सीटें जीतेंगे। पिछले 3 वर्षों में हमने असम, जाति, माटी, और भेती के विकास के लिए काम किया है। कांग्रेस के कार्यकाल में पुलिस विभाग में 30% नौकरियों में एक विशेष समुदाय को नियुक्ति दी गई थी। जब हम एक लाख लोगों को नौकरी देंगे।

### सरकारी नौकरियों के लिए नई डोमिसाइल पॉलिसी पेश करेगी सरकार



सरमा ने बैठक में कहा कि जल्द ही एक नई डोमिसाइल पॉलिसी पेश की जाएगी, जिसके तहत केवल असम में जन्मे लोग ही राज्य सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। चुनाव में किए वादे के अनुसार, एक लाख सरकारी नौकरियों में असम के लोगों को प्राथमिकता दी गई है। पूरी लिस्ट पब्लिश होने पर यह स्पष्ट हो जाएगा। असम सरकार भूमि जिहाद और लव जिहाद को रोकने के लिए दो कानून ला रही है। अगर एक मुस्लिम हिंदू की संपत्ति खरीदना चाहता है या एक हिंदू मुस्लिम की संपत्ति खरीदना चाहता है, तो उसे सरकारी अनुमति लेनी होगी। जो लोग लव जिहाद कर रहे हैं उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। सरमा ने दावा किया कि लव जिहाद एक वास्तविक और गंभीर मुद्दा है, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन और धोखे से प्रेम संबंध बनाना शामिल है। राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की लहर के चलते कांग्रेस को देश के लोगों का समर्थन मिला जवाहरलाल नेहरू तीसरी बार प्रधानमंत्री बने थे।

# जिला स्तरीय वन महोत्सव में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मातृ वन में एक साथ 8 हजार पौध लगाए

राज्य में एक पेड़ मां के नाम व हरियाली राजस्थान अभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पेड़ लगाकर उनका संरक्षण का काम होगा : वन राज्यमंत्री शर्मा

## संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को अलवर के भूरसिद्ध मंदिर वन क्षेत्र में विकसित किए जा रहे मातृ वन में 75वां जिला स्तरीय वन महोत्सव आयोजित हुआ। जिसमें 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत जनसहभागिता से एक साथ 8 हजार से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। अतिथियों ने दिलाई पौधारोपण संरक्षण संवर्धन शपथ। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अलवर को हराभरा एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से मातृ वन में आज मातृ वन शिलान्यास पेटिका का उद्घाटन कर तथा पौधारोपण कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया है। जिसमें जिला प्रशासन,

वन विभाग व अन्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं, पर्यावरण प्रेमियों एवं बड़ी संख्या आमजन ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर 8 हजार से अधिक पौधे लगाए हैं इनमें बड़, पीपल, बेडा, ढाक, बील, आंवला, बेर आदि के पौधे शामिल हैं। केन्द्रीय मंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण व धरती माता के प्रति अपनी कृतज्ञता जताने के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारम्भ किया था जिससे जुड़कर अब तक करीब 26 करोड़ लोगों ने पौधारोपण कर उसकी फोटो पोर्टल पर अपलोड की है। उन्होंने कहा कि हरियाली अभावस्था के आज पावन अवसर पर अलवर की इस पावन धरा पर वृहद स्तर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारम्भ हुआ है यह भारतीय संस्कृति और पर्यावरण दोनों के लिए एक सुखद संयोग है। उन्होंने कहा कि अगले चरण में यहां फल व औषधियों के 8



हजार पौधे भी लगाए जाएंगे। अलवर को हराभरा व स्वच्छ बनाने हेतु 16 ब्लॉकों में बांटा गया है। जिसमें सघन वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के बजट में वन

जयसमंद नहर का निर्माण, ईआरसीपी की पेयजल योजना जो कि सीधे पर्यावरण से जुड़ी हुई है इसके साथ अन्य कई बड़ी सौगातें को भी बढ़ावा मिलेगा। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से चलाए एक पेड़ मां के नाम अभियान आज जन-जन का अभियान बन गया है जिसमें सम्पूर्ण देश में पौधे लगाने की एक ललक दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में हरियाली राजस्थान अभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिसको आमजन की सहभागिता से न केवल अर्जित किया जाएगा बल्कि उससे भी अधिक पौधे लगाने का काम किया जाएगा। डीएफओ राजेन्द्र कुमार हुड्डा ने बताया कि 75वां जिला स्तरीय सघन वृक्षारोपण,

पर्यावरण संरक्षण एवं हैबिटेट विकास के अंतर्गत वन महोत्सव आयोजित हुआ जिसमें 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत एक साथ 8 हजार पौधे लगाए गए जिसमें कम्पनी बाग वृक्ष जीवन समिति, अखिल भारतीय पर्यावरण मंच, रेवती संस्थान, निर्मल इण्डस्ट्रीज, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, रोटेरी क्लब अरवाली विहार अलवर, परिचय कला संस्थान, अलवर जिला व्यापार महासंघ, श्री वैश्य गरिमा मंच, श्री अग्रवाल महासभा, गायत्री परिवार, कैरियर मेकर कोचिंग संस्थान, उपकार संस्थान, स्काउट गाइड/एनसीसी नेशनल कैडेट कोर, आईटीबीपी एवं एनएसएस का सहयोग रहा। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, वन महानिदेशक व विशेष सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय जितेन्द्र कुमार, अतिरिक्त वन महानिदेशक वन मंत्रालय सुशील कुमार

अवस्थी, राष्ट्रीय बाब संरक्षण प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं अतिरिक्त महानिदेशक गोविन्द सागर भारद्वाज, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) अरजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षण एवं मुख्य वन्यजीव प्रितीपालक पवन कुमार उग्रध्याय, जिला कलक्टर आशीष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल व जयराम जाटव, संजय सिंह नरुका, के.के. खण्डेलवाल, पं. जलेश्वर, ऋषिराज शर्मा, सतीश यादव, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, संजय जसाईवाल, अविनाश खण्डेलवाल, प्रेम पटेल, सीताराम चौधरी, महेश मीणा, रजनीश जैमन, दिनेश खण्डेलवाल, महेन्द्र गोयल, आशीष गोयल सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध व्यक्ति, जिला प्रशासन, वन विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी व कार्मिक तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

## खबरें फटाफट

### नेता प्रतिपक्ष जूली ने परिवार सहित खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचकर की पूजा अर्चना



अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को परिवार सहित सीकर के खाटूश्याम मंदिर पहुंचकर खाटूश्याम जी के दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना करते हुए देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। जूली ने श्याम मंदिर पहुंचकर बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते हुए कहा कि यहां जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से पहुंचता है बाबा श्याम उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। जूली ने कहा कि मंदिरों के विकास और उथान के लिए गहलोट सरकार ने काफी काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए खूब पैसा दिया है, जबकि भाजपा धर्म के नाम पर कोरी राजनीति करती है, उनके पास कोई मुद्दा बचा नहीं है, वह भगवान के नाम पर लोगों को बांटना चाहते हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण बर्दनीनाथ और अयोध्या है, जहां धार्मिक भावनाओं के नाम पर राजनीति की गई लेकिन जनता के रूप में खुद भगवान ने सबक सिखा दिया, उन्होंने कहा कि भगवान सभी के है।

### सात दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर हुआ शुरू



राजगढ़। ब्लाक राजगढ़ में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 7 दिवसीय 1 अगस्त से 7 अगस्त 2024 तक श्री च्यारेलाल गुप्ता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। इसमें ब्लॉक से समस्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की महिला शारीरिक शिक्षक एवं सामान्य शिक्षिका प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यह शिक्षिकाएं विद्यालय स्तर पर कक्षा 6 से 12 की बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएंगे साथ ही उनको आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान करेगी इसमें कुल 131 संभागीय भाग ले रहे हैं।

### ग्रीन मिशन के तहत करनावर मुख्य स्टेण्ड पर युवा टीम द्वारा लगाए पौधे



बसवा। उपखण्ड के ग्राम पंचायत करनावर में ग्रीन मिशन के तहत युवाओं के द्वारा द्वितीय चरण में करनावर मुख्य स्टेण्ड पर सड़क के दोनों तरफ लगभग 50 छायादार पेड़ जिनमें मोलसरी, जामुन, बरगद, शीशम, गुलमोहन आदि लगाए गए। गांव में सभी के सहयोग से युवा टीम ने पूर्व में भी सांविधानीय भाग ले रहे हैं।

## विधिक जागरूकता शिविर में एससी एसटी एक्ट की दी जानकारी

### संजीवनी टुडे

लक्ष्मणगढ़ (अलवर)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के निर्देश पर रविवाको ग्राम पंचायत चिड़वाई के सिरमौर गांव में तालुका विधिक सेवा समिति गोविंदगढ़ लक्ष्मणगढ़ एवं दलित अधिकार केन्द्र, जिला अलवर के संयुक्त तत्वाधान में एससी एवं एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 तथा अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। तालुका विधिक सेवा समिति गोविंदगढ़ लक्ष्मणगढ़ के पैरालिगल वॉलंटियर अनिल कुमार ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि वर्तमान में लागू भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में चर्चा करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शैलेश गौतम जिला समन्वयक दलित अधिकार केन्द्र ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 में छुआछूत का



अन्त किया गया है जिसके अन्तर्गत भारत में नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 कानून बना इसके उपरान्त अनुसूचित जाति जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 कानून बना जो की सम्पूर्ण भारत में लागू किया गया। उक्त कानून के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्यों पर गैर अनुसूचित जाति जनजाति के सदस्यों द्वारा किये जा रहे जातिगत भेदभाव, हिंसा, शोषण एवं उत्पीड़न से न्याय दिलवाकर समाज में

## भगवान नेमीनाथ के जन्म कल्याणक पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

### संजीवनी टुडे

बाड़मेर। डोला डूंगरी पर स्थित मां संचिचयाय माता मंदिर प्रांगण में "भगवान नेमीनाथ के जन्म कल्याणक पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता" का आयोजन मां संचिचयाय युवा परिषद् एवम् मां संचिचयाय मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। युवा परिषद् के सदस्य नरेन्द्र श्रीश्रीमाल "विनय" और सुरेश नाहटा ने बताया कि रविवार को माताजी के मंदिर में प्रतियोगिता में 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सराहनीय प्रयास किया। जिसमें प्रथम पुरस्कार सुहाना इंद्रवाल, मोती बोधरा, द्वितीय पुरस्कार ध्वनि तातेड, रक्षा बोहरा एवं तृतीय पुरस्कार छवि जैन, नगीना बोहरा ने प्राप्त किया। विशेष सांत्वना खुशी छाजेड, प्रिया संखलेचा, सारिका बोहरा, किंजल संखलेचा और सभी शामिल प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार वितरित किये गये। युवा परिषद् के द्वारा प्रतियोगिता के लाभार्थी एडवोकेट मुकेश जैन पुत्र एडवोकेट श्रद्धेश श्री जेटमल जैन संखलेचा परिवार का अभिमान किया गया। प्रतियोगिता का सफल मंच संचालन नरेन्द्र श्रीश्रीमाल एवं



सुरेश नाहटा ने किया। निर्णायक सुरेश नाहटा ने भगवान नेमीनाथ के जन्म कल्याणक के बारे में कथा सुनाई और उनकी जीवनी के बारे में विस्तार से बताया। एडवोकेट मुकेश जैन ने बताया कि परिषद् द्वारा चलाया जा रहा अभियान निसंदेह तारीफे काबिल है कम समय में व्यवस्थित तरीके से बच्चों में दिए जाने वाले संस्कार प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़े। साथ ही शिक्षा और संस्कृति बच्चों के जेहन में

## हड़ताल के चलते 4 दिन से राशन की दुकानें बंद, विधायक को दिया ज्ञापन



चाकसू। उपखंड क्षेत्र में 30 हजार मासिक मानदेय, 2 प्रतिशत छीजत की मांग को लेकर प्रदेश स्तरीय राशन विक्रेता संघर्ष समिति के आह्वान पर क्षेत्र के 90 राशन डीलर्स 4 दिन से हड़ताल पर है इन दिनों पूरी तरह राशन की दुकानें बंद हैं और वितरण व्यवस्था ठप्प है। वहीं 4 दिन से राशन की दुकानें के बंद रहने से खाद्य सामग्री के लिये उपभोक्ता चक्कर काटने को मजबूर हैं और अनाज व केयाईसी के लिये ईंधन- उधर भटक रहे हैं। वहीं 5 अगस्त को जिला व तहसील मुख्यालय पर राशन डीलर्स के मजबूर हैं और अनाज व केयाईसी के लिये हाथ में कटोरे लेकर प्रदर्शन करेंगे जिससे उनकी मांग सरकार तक पहुंच सके। रविवार को चाकसू राशन डीलर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष हेमराज गुर्जर की अध्यक्षता में एक

शिष्ट मण्डल क्षेत्रीय विधायक रामवतार बैरवा से मिला और एक लिखित में ज्ञापन सोपा मानदेय, 2 प्रतिशत छीजत की मांग को लेकर प्रदेश स्तरीय राशन विक्रेता संघर्ष समिति के आह्वान पर क्षेत्र के 90 राशन डीलर्स 4 दिन से हड़ताल पर है इन दिनों पूरी तरह राशन की दुकानें बंद हैं और वितरण व्यवस्था ठप्प है। वहीं 4 दिन से राशन की दुकानें के बंद रहने से खाद्य सामग्री के लिये उपभोक्ता चक्कर काटने को मजबूर हैं और अनाज व केयाईसी के लिये हाथ में कटोरे लेकर प्रदर्शन करेंगे जिससे उनकी मांग सरकार तक पहुंच सके। रविवार को चाकसू राशन डीलर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष हेमराज गुर्जर की अध्यक्षता में एक

## प्लेसमेंट एजेंसी के कार्मिकों ने विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को सौंपा ज्ञापन



करौली। जिले के शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा कार्यालय में जिला एवं ब्लॉक कार्यालय पर कार्यरत कार्मिक यथा एमआईएस, कम्प्यूटर कर्मी एवं सहायक कर्मचारियों ने स्थानीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि हमें भी नियमित कर्मचारियों की तरह उचित मानदेय एवं सुविधाएं मिलनी चाहिए एवं शोषण समाप्त किया जाना चाहिए एवं ठेका प्रथा को समाप्त कर संविदा वापस दिलवाया जाए व हर उचित मूल्य अनाज व खाद्य सामग्री को 30 हजार मासिक वेतन व 2 प्रतिशत छीजत भी दिलवाई जाए और डीलर्स की मांग को मुख्यमंत्री तक भेजा जाए और विधानसभा में इस मुद्दे को जोर-शोर के साथ उठाया जाए। शिष्ट मण्डल में रहती मोहम्मद, जगदीश गुर्जर, कजोड़मल गुप्ता, बन्नी गुर्जर, गणेश शर्मा, सुरेन्द्र फौजी, वहीद मोहम्मद, ओमप्रकाश गुप्ता, शिवराज मीना, महेश शर्मा, सहित कई राशन डीलर्स मौजूद रहे थे।

## श्री देवनारायण भगवान की पदयात्रा को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

### संजीवनी टुडे

चाकसू। कस्बे के कोटखावदा रोड़ पर स्थित वीर गुर्जर छात्रावास में रविवार को वीर गुर्जर विकास संगठन समिति चाकसू की बैठक तहसील अध्यक्ष रामसहाय रावत की अध्यक्षता में गुर्जर छात्रावास में संपन्न हुई। बैठक में आगामी सितम्बर माह को भगवान देवनारायण जोधपुरिया धाम की विशाल पैदल यात्रा की चाकसू में व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा हुई। बैठक में समाज के पंच पटेल सहित कई गांवों से आए समाज के लोग मौजूद थे। गुर्जर समाज मीडिया प्रभारी कैलाश गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील अध्यक्ष रामसहाय रावत की अध्यक्षता में सितम्बर को आने वाली देवनारायण भगवान की पदयात्रा को लेकर मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें देवनारायण भगवान की विशाल पैदल यात्रा की रात्रि विश्राम व भोजन सहित व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। चाकसू क्षेत्र से अलग-अलग गांवों से आए समाज के लोगों को पदयात्रा की तैयारियों को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारिया दी गई है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय



लिया गया कि पदयात्रा के दिन वीर गुर्जर विकास संगठन समिति चाकसू की तरफ से चाकसू उपखण्ड क्षेत्र के गुर्जर समाज के प्रतिभावन छात्र-छात्राओं का जिन्होंने कक्षा 10-12वीं में लडकियां 75 प्रतिशत अंक व लडको ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन छात्र-छात्राओं को वीर गुर्जर विकास संगठन समिति और से सम्मानित करने का निर्माण लिया गया। श्रीदेवनारायण भगवान की विशाल पैदल यात्रा में दिल्ली हरियाणा, पंजाब, दौसा, कोटपुतली सहित प्रदेशभर से चाकसू पहुंचने वाले पदयात्रियों की

## शीतला माता निवासी कावड़िया को कार ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

### संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां रविवार को चाकसू उपखंड क्षेत्र के शीतला माता निवासी सूरज शर्मा (24) पुत्र चिरंजीलाल शर्मा शनिवार को रात 10 बजे घर से निकला था जो कि कावड़िया गुण के लोगों के साथ जयपुर गया था इसमें से एक ग्रुप के साथ सूरज भी शीतला माता के लिए वापिस लौट रहा था यह सभी लोग कावड़ लेकर गलताजी से देर रात निकले थे और ग्रुप के लोगों में सबसे पीछे सूरज आ रहा था तभी एक एक्सयूवी गाड़ी तेज रफ्तार से आती हुई सूरज के पीछे से टक्कर मार दी और वहीं महावीर कैंसर हॉस्पिटल ओटीएस में चौराहा के करीब गाड़ी की टक्कर के बाद युवक पहले बोनट पर गिरा और बाद में कार के नीचे आ गया और वहीं कार उसे करीब 50 मीटर तक घसीटी हुई ले गई थी वहीं गाड़ी ड्राइवर घटनास्थल से कार लेकर मौके से फरार हो गया था। वहीं मृतक के पिता चिरंजी शर्मा लाल ने जानकारी देते बताया कि कावड़ लेकर साथ लौट रहे लोगों ने तुरंत पीछे से आ रहे ऑटो को

रुकवाया और सूरज को घायल अवस्था में फोटोस हॉस्पिटल में पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान अस्पताल में डॉक्टरों ने सूरज को मृत घोषित कर दिया गया है। वहीं सूरज 3 साल से कावड़ लेकर आ रहा था और सीतापुरा स्थित एक ज्वेलरी कंपनी में नौकरी करता था पिछले 3 साल से हर बार गलताजी से कावड़ लेकर शीतला माता आता था वहीं परिवार में माता-पिता और दो बड़े भाई हैं।

### सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिस

वहीं पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के साथ एक्सयूवी कार की तलाश कर रही है। वहीं स्थानीय पुलिस जयपुरिया हॉस्पिटल की मोर्चरी में शव को खराबा और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई करवाकर शव उनके परिवार को सुपुर्द किया गया है। वहीं शीतला माता क्षेत्र में घटना की जानकारी मिलते ही मातम छा गया था और उनके परिवार को रात-रात बुरा हाल हो गया है।

## केन्द्रीय मंत्री यादव व राज्य मंत्री शर्मा ने अग्रवाल महासभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई

### संजीवनी टुडे

अलवर। अम्बेडकर नगर स्थित अलवर जिला अग्रवाल महासभा के भवन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हुकुम चन्द गार् एवं अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामना देते हुए कहा कि जिस उद्देश्य से कार्यकारिणी द्वारा शपथ ली गई है उसी उद्देश्य को पूरी लगन व निष्ठा से निभाकर समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज शिक्षित एवं प्रभुता सम्पन्न समाज होने के साथ सामाजिक कार्यों से जुड़ा होने के साथ मानवता के कल्याण को बढ़ावा देने का दायित्व है। साथ ही व्यापार,



वाणिज्य में शीर्ष स्थान रखते हुए अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत रहा है तथा अग्रवाल समाज को आगे बढ़ाने का दायित्व है। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अग्रवाल समाज ने सदैव सामाजिक सद्भाव कायम ही रखा है। उन्होंने आजादी के आन्दोलन में अग्रवाल समाज के योगदान व भामाशाह के रूप में समाज की पहचान के बारे में बताया कि गीता प्रेस के माध्यम से समाज के बंधुओं ने सनातन धर्म

के सिद्धांतों को घर-घर पहुंचाने का पावन कार्य लगातार किया जा रहा है जो कि प्रेरणास्पद है। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अग्रवाल समाज ने सदैव सामाजिक सद्भाव कायम ही रखा है। उन्होंने आजादी के आन्दोलन में अग्रवाल समाज के योगदान व भामाशाह के रूप में समाज की पहचान के बारे में बताया कि गीता प्रेस के माध्यम से समाज के बंधुओं ने सनातन धर्म के सिद्धांतों को घर-घर पहुंचाने का पावन कार्य लगातार किया जा रहा है जो कि प्रेरणास्पद है। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अग्रवाल समाज ने सदैव सामाजिक सद्भाव कायम ही रखा है। उन्होंने आजादी के आन्दोलन में अग्रवाल समाज के योगदान व भामाशाह के रूप में समाज की पहचान के बारे में बताया कि गीता प्रेस के माध्यम से समाज के बंधुओं ने सनातन धर्म

## खबरें फटाफट

## उत्कृष्ट विद्यालय संचालन एवं श्रेष्ठ शिक्षण में नवाचार निमित्त में बिश्नोई हुए कलेक्टर द्वारा सम्मानित



## संजीवनी टुडे

बाड़मेर। विद्या भारती विद्यालय आदर्श शिक्षण समिति बाड़मेर द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर गुंगा के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार बिश्नोई को आदर्श शिक्षा समिति बाड़मेर आचार्य सम्मेलन में विद्यालय की समस्त गतिविधि नई शिक्षा नीति के नवाचार के लिए बोर्ड परीक्षा का अच्छा परिणाम हेतु बाड़मेर जिला कलेक्टर निशांत जैन द्वारा साल ओटाकर तथा चेक के द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला समिति पदाधिकारी प्रांत अधिकारी आचार्य उपस्थित रहे।

## धर्मशाला निर्माण को लेकर बैरवा समाज की बैठक हुई संपन्न



## संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां रविवार को उपखंड क्षेत्र में शीतला माता मंदिर परिसर में बैरवा धर्मशाला में पप्पू राम बैरवा की अध्यक्षता में एक सामाजिक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें बैरवा समाज धर्मशाला की निर्माण गति को तेज करने को लेकर आम सहमति ली गई और आमसभा में बस्सी, चाकसू, तुंगा, सांगानेर, कोटखावटा सहित कई तहसीलों के और भी लोग मौजूद रहे हैं। और आए हुए प्रबल बुद्धि जीवो ने समाज में सुधार लाने के लिए भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए हैं। सभी ने धर्मशाला निर्माण के कार्य में अपना योगदान देकर आगामी शीतला माता मेला से पहले धर्मशाला की छत भरवाने का लक्ष्य रखा है। वही इस दौरान हीरालाल बैरवा अध्यक्ष शीतला माता धर्मशाला विकास समिति ने आए हुई बैरवा समाज के लोगों का सभी का आभार व्यक्त किया और वही इस अवसर पर डाहर सरपंच शंकर लाल बैरवा, पूर्व सरपंच रामफूल बैरवा, पप्पू राम, कानाराम, जगदीश सहित कार्यकारिणी के सदस्य भी साथ में मौजूद रहे हैं।

## हरियाली अमावस का पर्व हर्ष उल्लास के साथ बनाया

संजीवनी टुडे  
जाशमा। जाशमा क्षेत्र में हरियाली अमावस का पर्व जाशमा मंगरा शनि महाराज, ओगड़ संत प्रताप महाराज की समाधि स्थल पर एवं मां आशापुरा माताजी के मंदिर स्थान पर हरियाली अमावस का पर्व हर्ष उल्लास के साथ बनाया गया, महंत चेतन दास महाराज मुंगानाधाम आश्रम एव श्रद्धालुओं उपस्थित थे एवं आसपास क्षेत्र के लोग दर्शन करने के लिए आए एवं अपार भीड़ के साथ रिमझिम बारिश में भी भीड़ रही एक मेल सा लग रहा पूरे दिन भर पशुपतिनाथ मंदिर पर दिन भर पुष्पमाला एवं बिलपत्र श्रद्धालु ने चढ़ाए गए आनरवर्ती प्रसाद भी चढ़ाए गए आसपास के गांव काबरा, कोटडी, दरीबा, रावो का खेड़ा देवड़ो का खेड़ा, कपासन, मुंगाना जाशमा, काना खेड़ा, उरसरोल राजसमंद, रेलमगरा कई गांवों के लोग हरियाली अमावस के पर्व पर हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।

## बरसाती नाले की हुई सफाई, बारिश में अवरुद्ध होता था नाला

संजीवनी टुडे  
भाद्राजून। कस्बे के भाद्राजून गांव के प्राचीन बाँवड़ी स्थित भगवान महादेव मंदिर की तरफ जाने वाले मार्ग पर बने नाले में गन्दगी व कचरे से भरा हुआ था। जो स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीण के आग्रह पर ग्राम पंचायत भाद्राजून द्वारा तुरंत ही लोडर के माध्यम से कंटीली झाड़ियों को हटा कर सफाई कार्य शुरू कर नाले को दुरुस्त करवाया गया। बता दें कि नाले के दूसरी तरफ भी रहवासियों के आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश में तो मार्ग से आवागमन पूरी तरह टप हो जाता है। वहीं सालभर बस्ती की नालियों का पानी मार्ग पर जमा रहने के सालभर लोगों को आने जाने में खासी परेशानी होती थी। नाले के दोनों तरफ बस्ती बसी है। बारिश में नाला तेज वेग से बहने के कारण आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। इस हेतु नाले के ऊपर पुलिये निर्माण का कार्य भी प्रक्रियाधीन है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश शुरू होने से फिलहाल कार्य को रोका गया है। बारिश के बाद पुलिये का कार्य शुरू किया जायेगा।

## हमारी प्रकृति पूर्वजों की धरोहर नहीं अपितु आने वाली पीढ़ियों की अमानत है: भूपेंद्र यादव

## संजीवनी टुडे

अलवर। भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर दक्षिण जिला कार्य समिति बैठक का आयोजन अवेडकर नगर स्थित जिला कार्यालय पर हुआ। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और भाजपा का कार्यकर्ता अनवरत रूप से देश के विकास एवं उन्नति के लिए कार्य करता है। उन्होंने लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनने पर समस्त कार्यकर्ताओं की ओर से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन किया और कहा की हाल ही में जो बजट सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है यह 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करता है। भूपेंद्र यादव ने कहा की आज अलवर शहर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 10000 पौधों का पौधा रोपण किया गया यह अपने आप में अभूतपूर्व है। एक पेड़ मां के नाम एवं आइडियाज आफ लाइफ कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी समाज में सकारात्मक आमूलचूल परिवर्तन करेगी। कार्यक्रम में राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने



कार्यकर्ताओं को सम्मिलित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी का ही नहीं बल्कि समाज का भी एक सजग प्रहरी है। उन्होंने कहा की राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट के अंदर अलवर जिले को अनेकों सौभाग्य मिली है जिसमें अलवर को काया पलट होगी और अलवर का ऐतिहासिक विकास होगा। जिला

अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने अपने संबोधन में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने पर सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा की सरकार आने पर प्रत्येक कार्यकर्ता के कंधों पर और अधिक जिम्मेदारियां आ जाती है सभी कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में

## महापूजन से जीवन का पथ होता पावन, पॉजिटिव एनर्जी का वास, नेगेटिव एनर्जी का ह्रास: गणिवर्य कमलप्रभसागर

## संजीवनी टुडे

बाड़मेर। जैनाचार्य श्री गुणसागर सूरी साधना भवन में गणिवर्य कमल प्रभ सागर म सा, मुनि विनयरथ सागर म सा, मुनि सदानंद सागर म सा की पावन निश्रा ने 24 जिनेश्वर भगवान की सामूहिक महापूजन का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। बाड़मेर के मशहूर भजन सम्राट गौरव मालू एंड पार्टी द्वारा स्वन और भजनों की प्रस्तुति देकर पूजा में चार चांद लगा दिए। गणिवर्य कमलप्रभसागर म सा ने कहा कि वर्तमान में विषम काल में विपरिताओं, विघ्नों के बीच में किसी को कुछ, तो किसी को कुछ तकलीफ है नवग्रह में से किसी न किसी ग्रह की छाया बुरी पड़ती है, दशा किसी न किसी भी रूप में चल रही होती है जिनशासन में नौ ग्रहों का प्रकोप दूर हो इसके लिए तीर्थकरों की साधना बताई गई है। 24 तीर्थकर की पूजा करने से, महापूजन करने से नवग्रह के प्रकोप को कम और बुरी दशा का नाश किया जा सकता है। इसके लिए विशेष अनुष्ठान समय और स्थिति के अनुसार करना चाहिए। जिससे हमारे जीवन का पथ पावनता की ओर चले। विषम परिस्थितियों में भी लड़



सके। मनोबल मजबूत बन सके। पॉजिटिव एनर्जी का वास, नेगेटिव एनर्जी का ह्रास हो सके। आज के 24 जिनेश्वर महापूजन कार्यक्रम एवम प्रभावना का लाभ मोतीलाल श्रीश्रीमाल, चंदनमल सिंघवी, बाबूलाल वडेरा, जिनका कमेटी ने अभिनंदन किया। चितामणि बहु मण्डल एवं बालिका मण्डल ने पूरे कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर व्यवस्थाओं में सहयोग किया चातुर्मास कमेटी ने मंडलों का अनुमोदन किया इस अवसर पर

जैन चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष जेठमल सिंघवी, उपाध्यक्ष उमदे कुमार श्री श्रीमाल, सचिव भीमराज सिंघवी, कोषाध्यक्ष संजय वडेरा, प्रचार मंत्री अशोक बोहरा, बाबूलाल श्रीश्रीमाल, चंदनमल सिंघवी, बाबूलाल वडेरा, सुरेश सिंघवी, अचलगच्छ जैन श्री संघ के सचिव दिनेश बोहरा, पारसमल लालण, नरेंद्र कुमार श्री श्रीमाल, पवन बोहरा, नरेश सिंघवी एवम सैकड़ों की संख्या में श्रावक,श्राविकाएं उपस्थित थे।

## पत्नी को कॉल गर्ल बता दोस्तों को बुलाता था घर, पति और उसका दोस्त गिरफ्तार

## संजीवनी टुडे

कोटा।शहर में रिश्तों को तार-तार करने का मामला सामने आया है, जहां पर पति ही अपने दोस्त को बुलाकर पत्नी से दुष्कर्म करवाता था और खुद भी दोस्त के साथ मिलकर पत्नी के साथ दुष्कर्म करता था। पुलिस ने आरोपी पति और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है। विवाहिता के इनकार करने पर उसका पति मारपीट भी करता था। मामले की जांच कर रहे पुलिस उप अधीक्षक प्रथम राजेश टेलर ने बताया कि मामलागत 10 जुलाई को दादाबाड़ी थाने में दर्ज हुआ था। आरोपी पति और उसके दोस्त को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से एक दिन के पुलिस रिमांड पर लाया गया है। आरोपी पति अपने दोस्त को घर बुलाकर पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनवाए। खुद भी दोस्त के साथ मिलकर शारीरिक संबंध बनाता और विरोध करने पर मारपीट करता था। रिपोर्ट के मुताबिक, विवाहिता घटना के बाद डिप्रेशन में चली गई थी। वह अपने पति से तलाक भी नहीं लेना चाह रही थी, लेकिन पति ने लगातार परेशान किया तो पीहर में रहने लग गई। परिणत उसे चिकित्सक के पास लेकर गए। डॉक्टर ने उसकी काउंसलिंग की और उसके बाद मां को कहा कि विश्वास में लेकर पूरी बात सुनो। तब विवाहिता ने मां को पूरी बात बताई। इसके बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। आरोपी पति ने अपने दोस्त को यह जानकारी



नहीं दी थी कि उसकी पत्नी के साथ सेक्स करना है। आरोपी ने पत्नी को कॉल गर्ल बताते हुए दोस्त को झांसे में लेकर बुलाया था। आरोपी पति अपनी पत्नी से अन्य लोगों को फोन मिलवाता और उनके साथ फोन सेक्स और घर बुलाने के लिए कहता था। इस मामले में अभी और भी गंभीर खुलासे हो सकते हैं।

## तलाक की देता था धमकी

आरोपी और पीड़िता की शादी ढाई साल पहले हुई है और एक बेटी भी है। आरोपी वर्तमान में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कर रहा है। साथ ही पिता के बजरी के व्यापार को भी संभाल रहा है। उसका दोस्त भी अपने पिता के ढाबे के व्यापार में शामिल किया तो उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित उसे चिकित्सक के पास लेकर गए। डॉक्टर ने उसकी काउंसलिंग की और उसके बाद मां को कहा कि विश्वास में लेकर पूरी बात सुनो। तब विवाहिता ने मां को पूरी बात बताई। इसके बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। आरोपी पति ने अपने दोस्त को यह जानकारी

## पूर्व विधायक वेदप्रकाश सौलंकी व अन्य के खिलाफ जवाहर नगर थाने मे हुई अलग अलग रिपोर्ट दर्ज

## संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां शिकायतकर्ता के एडवोकेट राजेश फल्डोलिया ने बताया कि चाकसू तहसील के गांव भुरटिया में मीना वाला गृह सहकारी समिति ने साल 2013 में राधे रेजिडेंस नाम से आवासीय कॉलोनी विकसित की गई थी? और जिसमें परिवर्वादीगणो ने 2013 मे आवासीय भूखंड (प्लॉट) नगद भुगतान करके परिवर्वादीगणो ने प्लॉटों का असल पट्टा, साइट प्लान और रसीद प्राप्त की? गई थी। जिसमें पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, मीना वाला गृह सहकारी समिति के संयोजक नितेश अग्रवाल और अध्यक्ष ने फर्जी विक्रय पत्र (सैल लेटर) के प्लॉटों पर कब्जा किया है। जबकि मीना वाला गृह निर्माण सहकारी समिति ने उक्त प्लॉटों को परिवर्वादीगणो बेचान कर रखा था वहीं अब उक्त भूमि को वेद प्रकाश सोलंकी को बेचना बताया जा रहा है। जब परिवर्वादीगणो ने प्लॉटों की सार संभाल के लिए मौके पर गए तो उन्हें मीना वाला गृह सहकारी समिति के संयोजक नितेश अग्रवाल ने कहा कि यहां पर आप लोगो व अन्य किसी व्यक्तियों को कोई जमीन नहीं है। कोशाल्या देवी और वेद प्रकाश सोलंकी को वेद प्रकाश सोलंकी के मध्य 8 अप्रैल 2023 को हुई सैल डीड (विक्रय पत्र) भी दिखाई गया है। वहीं इससे यह साबित हुआ कि गृह निर्माण सहकारी समिति, कोशाल्या देवी और वेद प्रकाश सोलंकी ने मिलकर उक्त भूमि पर काटे गए प्लॉट को गलत तरीके से हड़पने की कोशिश की गई है।

## नासोली गांव के आम चौहटे बारिश के पानी का भराव, आमजन व पशुओं को हो रही है परेशानी

## संजीवनी टुडे

भीनमाल। निकटवर्ती नासोली गांव के आम चौहटे पर पानी की निकासी नहीं होने से बारिश के पानी का भराव होने से गंदगी पसर रही है। पानी का भराव काफी समय से होने से पानी में किटाणु व मच्छर बन चुके है। आम चौहटे पर पानी का भराव होने से यहां से गुजरने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके अलावा यहां शाम को बैठने वाले आवारा पशुओं में पानी के कारण जमा हुए किटाणुओं से रोग फैल रहा है। ग्रामीणों ने पानी भराव से होने वाली समस्या से पंचायत व आला अधिकारियों को भी कई बार अवगत करवाया, लेकिन समस्या का हल नहीं निकला। आम चौहटा होने से यहां आवारा पशु बैठते है। पानी का भराव काफी समय से होने से पानी में काफी मात्रा में किटाणु पैदा हो गए है। यहां किटाणु पानी में बैठने वाले पशुधन में रोग फैला रहे है। यहां बैठने वाली अधिकतर गावों के खरों में किटाणु लग चुके है। बिमार गाय अन्य



पशुओं में भी बिमार फैला रहे है।

## न पानी की निकासी न कोई छिडकाव

ग्रामीण शेरसिंह भाटी,दिनेश कुमार,जगदीश कुमार दीपाराम ने बताया की पंचायत की ओर से आम चौहटे पर भरे

## माल खरीददार सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

## कपासन में दो न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास पर दिन दहाड़े हुई चोरी के मामले में तीन की और गिरफ्तारी

## संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। कपासन में दो न्यायिक मजिस्ट्रेट के आवास पर दिन दहाड़े हुई चोरी के मामले में कपासन थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तारी की है। चोरी के माल के खरीददार व आरोपियों को वाहन उपलब्ध कराने वाले सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का शेष माल सोने चांदी के जेवरत भी बरामद कर लिए है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि कपासन के दो न्यायिक मजिस्ट्रेट उदयपुर जिले के भुवना निवासी मेहन पुर प्रेमराम सोलंकी एवं मध्यप्रदेश के सागर जिले के मकरोनीया मुहाल निवासी निधा पाण्डेय पुत्री उमा शंकर पाण्डेय के कपासन स्थित सरकारी आवासों से 20 जुलाई को दिन दहाड़े पीछे की खिडकी एंव जाली तोड़ कर अज्ञात चोर अन्दर घुस कम्पनों का एवं आलमारीयों के ताले तोड़ आलमारी में रखे आभुषण, सोने चाँदी के जेवरत व किमती वडियां व नगदी चुपकर ले जाने की घटना का खुलासा करते हुए कपासन थाना पुलिस व साइबर सेल की टीम ने पारवी गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार



कर चोरी का माल बरामद किया था। मामले में चोरी के शेष माल की बरामदगी करने एवं चोरी के माल को खरीदने वाले व आरोपियों को वाहन उपलब्ध कराने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में एएसपी चित्तौड़गढ़ परबत सिंह व डीएसपी कपासन अनिल साएण के सुपरविजन में थानाधिकारी कपासन रतन सिंह पुलिस निरीक्षक, लाटुलाल उप निरीक्षक, एएसआई तेजमल, साईबर सैल के हैड कानि. राजकुमार, कानि. रामावतार व गणपत, कपासन थाने के कानि. वेदप्रकाश व राजेश द्वारा तकनीकी रूप से अनुसंधान करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले पूर्व में गिरफ्तार व पुलिस रिमांड पर चल रहे चारो आरोपियो से चोरी के माल को खरीदने वाले

मध्यप्रदेश के सिहोर जिले के डोडी थाना जावर निवासी 25 वर्षीय राहुल पुत्र दयानन्द पारवी व सिहोर जिले के प्रेमालय रोड आष्टा थाना आष्टा निवासी 31 वर्षीय अंकित पुत्र राजेन्द्र सोनी को एवं चोरी के लिए गाडी उपलब्ध कराने वाले सिहोर जिले के गल चौरया आष्टा निवासी 28 वर्षीय गोलू जितेन्द्र पुत्र कैलाश चन्द्र शर्मा को कडी मेहनत से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जिनसे चोरी का शेष माल सोने चाँदी के जेवरत बरामद किये गये है। उक्त पुरी वारदात को ट्रेस करने से लेकर मुल्जिमा की गिरफ्तारी और माल बरामदगी करने तक साईबर सैल के कानि. रामावतार व कपासन थाने के कानि. वेदप्रकाश की विशेष भूमिका रही।

## हरियाली अमावस्या पर जयसमंद झील की पाल पर मेले मे पर्यटकों की उमड़ी भीड़

## संजीवनी टुडे

सराडा।विश्व विख्यात जयसमंद झील की पाल पर रविवार को हरियाली अमावस्या पर मेले का आयोजन हुआ। मेले को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व प्रशासन दोनों मुस्तैद दिखा। पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को बस स्टैंड के आसपास मार्ग पर रोका। ग्रामीण, पर्यटक अपने परिवार के साथ पैदल पाल पर पहुंचे।

जहां नौका विहार,महाराणा जय सिंह उद्यान और महलों में भ्रमण करने के साथ झील को निहारने का आनंद उठाया।झील पर खाद्य पदार्थ की दुकानों के साथ छोटे बच्चों के खिलौना महिलाओ के लिये श्रृंगार आदि की दुकाने लगी जहाँ पर महिलाओ व बच्चो ने जमकर खरीदारी की।इसके साथ जयसमंद के वीरपुर में स्थित प्रसिद्ध गातोड़ जी धाम मंदिर मे भी हरियाली अमावस्या और रविवार होने के कारण दर्शार्थियों की भीड़



रही।सुबह करीब 11 बजे तेज बारिश होने के कारण भीड़ कम दिखी बारिश के थोड़ा थमने के साथ भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गयी।हालांकि मूसलाधार बारिश पुरे दिन रही।उसके बावजूद पर्यटकों ने घुमने का आनंद उठाया।झील की पाल पर करीब 5 से 6 हजार मेलाधियों ने जयसमंद झील घूमने का लुप्त उठाया। सुरक्षा की दृष्टि

से सराडा थाने के अलावा जावर माडस,सेमारी,परसाद थाने सहित उदयपुर से अतिरिक्त पुलिस जाफा तैनात रहा।इस दौरान जयसमंद नायब तहसीलदार वदन लाल गर्ग,पटवारी भूपेंद्र सुथार, मन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, ईडीसी सदस्य, वीरपुरा सरपंच गौतम मीणा, गातोड़ सरपंच हमीर लाल मीणा मौजूद रहे।

## स्कूल की जर्जर बिल्डिंग और टपकती छत: 10 दिन पहले टूटा पिलर, डर के साए में पढ़ाई

## संजीवनी टुडे

रावतभाटा।शिक्षा की नगरी कोटा से 40 ओर परमाणु नगरी कहे जाने वाले रावतभाटा से महज 6 किलोमीटर दूर स्थित जावरा खुर्द गांव की सरकारी स्कूल जहां तक पहुंचने के लिए सुगम रास्ता तक नहीं है। इस स्कूल तक जाने का रास्ता पानी और कीचड़ से भरा पड़ा है। जैसे जैसे कीचड़ पार कर स्कूल पहुंचने के बाद तो स्थित और भी खराब है। यहां जर्जर भवन और टपकती छत के नीचे जमीन पर बैठकर बच्चों को पढ़ाया जाता है। यह स्थिति नई नहीं बल्कि वर्षों से चली आ रही है। स्कूल की प्रधानाध्यापिका राशिदा बी ने बताया कि पिछले चार सालों से कई बार विभागा और जनप्रतिनिधियों को प्राथनापत्र दिया गया। हमने अपने स्तर पर स्कूल की छत पर पॉलीथिन डाल रखी है ताकि पढ़ाई में दिक्कत न आए। मामले को लेकर मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी राजबीरी देवी ने बताया कि स्कूल भवन के लिए परमाणु बिजलीघर के सीएसआर से मांग की गई है। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि अभी हाल की गत 23 जुलाई की रात में बरसात से स्कूल भवन



का पिलर ढह गया। हालांकि उस समय स्कूल बंद था। तभी से हम बरसात के दौरान पहलों से पांचवी तक के बच्चों को एक साथ दूसरी बिल्डिंग के बरामदे में बैठाकर पढ़ा रहे है। इस बरामदे की छत भी बरसात से टपकती है। जिस पर पॉलीथिन डाली गई है।

## पहली से पांचवी कक्षा तक 54 बच्चों का नामांकन

प्रधानाध्यापिका ने बताया कि हमारी स्कूल में कुल 54 बच्चों का नामांकन है। कीचड़ भरे रास्ते और जर्जर बिल्डिंग के डर से अधिभावक इन दिनों बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते है। बारिश का होने

पर हम कुछ बच्चों को पेड़ के नीचे बैठाकर पढ़ा लेते है।

## ग्रामीण बोले-किससे कहे कोई सुनता ही नहीं

जावरा गांव के बुजुर्ग जोतराम मीणा ने बताया कि 'साहब वर्षों से ऐसे हालात है, कोई ध्यान नहीं देता। इस कीचड़ भरे रास्ते से स्कूलों बच्चों के साथ ग्रामीणों को भी परेशानी आती है। न पंचायत काम करवाती है न अधिकारी सुनने सुनते है। ग्रामीण रामप्रसाद मीणा ने बताया कि करीब दो सौ मीटर का रास्ता पूरा खराब है। यहां आज तक सड़क नहीं बनी। बच्चों कीचड़ से गुजरते है। बारिश में जहरीले जीवों का भी खतरा है। मगर कोई नहीं सुनता। सीबीईओ राजबीरी देवी ने कहा कि परमाणु बिजलीघर के सामाजिक सरोकार में स्कूल भवन बनाने की मांग की गई है। जल्द ही जर्जर भवन की समस्या का समाधान होने की संभावना है। अगर पंचायत जमीन उपलब्ध करवा दे तो सीसी सड़क भी बन जाएगी। जर्जर भवन में बच्चों को न बैठाने के लिए स्कूलों में निर्देशित कर रखा है।

सम्पादक की कलम से....

## सम्पादकीय

### ऑनलाइन क्लासों के आने लगे हैं दुष्प्रभाव सामने



दुनिया भर में लॉकडाउन के चलते सभी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। भारत के स्कूलों में मार्च में परीक्षाएं हो जाती हैं और अप्रैल में फिर ने नयी कक्षाएं शुरू हो जाती हैं। लेकिन स्कूल बंद होने के कारण इस बार बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाई है। इस समस्या का खासकर प्राइवेट स्कूलों ने डिजिटल माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का उपाय निकाला। जिसमें ऑनलाइन क्लासेस वाट्सएप ग्रुप बना कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन माध्यमों में जो पठन सामग्री बनाई गयी है या भेजी जा रही है वो बच्चों को ध्यान में रखते हुये नहीं बनाई गयी है। ज्यादातर स्कूल पुराने अपलोडेड वीडियो जगह-जगह से उठाकर बच्चों को शेर कर रहे हैं। सामग्री पाठ्यक्रम अनुरूप न होने के कारण इसे समझने में बच्चों को परेशानी हो रही है। वैसे तो देश के कई स्कूल ऑनलाइन पढ़ाई करवा रहे हैं। लेकिन तमाम स्कूल ऐसे भी हैं जो सुविधा सम्पन्न नहीं है, ऐसे में वो ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाने में असमर्थ हैं। वैसे भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के पास भी तो मोबाइल और लैपटॉप की व्यवस्था होनी जरूरी है। जब भारत में केवल 24 फीसदी घरों तक ही इंटरनेट की उपलब्धता है तो ऑनलाइन शिक्षा की सार्थकता पर स्वयं सवाल उठ जाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा से वंचित छात्रों के अभिभावकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। असल में स्कूल प्रबंधन चाह रहा है कि लॉकडाउन के दौरान बच्चे शिक्षा से विमुख न हों। वो नयी क्लास के हिस्से से अपना पाठ्यक्रम पढ़ें। ऑनलाइन पढ़ाई में कई व्यावहारिक दिक्कतों भी हैं, लेकिन लॉकडाउन में जब स्कूल खोलना खतरा से खाली नहीं है, ऐसे में ऑनलाइन क्लास ही बड़ा सहारा है। ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान घर में बच्चों को स्क्रीन पर घंटों बैठना पड़ रहा है। बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों का शिक्षा माध्यम अंग्रेजी है जिसे स्वयं से समझना इन बच्चों के लिए बहुत मुश्किल है। दूसरी बड़ी चुनौती इन बच्चों के ऑनलाइन क्लासेस के लिए आवश्यक संसाधनों का न होना है। ऑनलाइन क्लासेस के लिए एंड्रयाड फोन, कम्प्यूटर/टैबलेट, ब्राडबैंड कनेक्शन, प्रिंटर आदि की जरूरत होती है। ज्यादातर ग्रामीण बच्चों के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होती उसके चलते उनके पास डिजिटल क्लासेस के लिए आवश्यक उपकरण नहीं होते हैं जिसके कारण ये क्लास नहीं कर पा रहे जबकि इस समय इन बच्चों के क्लास के अन्य साथी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। गिनने लायक परिवार ही ऐसे होंगे जिनके पास ये उपकरण उपलब्ध होंगे।

लोकल सर्कल नाम की एक गैर सरकारी संस्था ने एक सर्वे किया है जिसमें 203 जिलों के 23 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। जिनमें से 43% लोगों ने कहा कि बच्चों को ऑनलाइन क्लासेस के लिए उनके पास कम्प्यूटर, टैबलेट, प्रिंटर, राउटर जैसी चीजें नहीं है। ग्लोबल अध्ययन से पता चलता है कि केवल 24% भारतीयों के पास स्मार्टफोन है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण रिपोर्ट 17-18 के अनुसार 11% परिवारों के पास डेस्कटॉप कंप्यूटर/ लैपटॉप/नोटबुक/ नेटवर्क/ पामटॉप या टैबलेट हैं। इस सर्वे के अनुसार केवल 24% भारतीय घरों में इंटरनेट की सुविधा है, जिसमें शहरी घरों में इसका प्रतिशत 42 और ग्रामीण घरों में केवल 15% ही इंटरनेट सेवाओं की पहुंच है। इंटरनेट की उपयोगिता भी राज्य दर राज्य अलग होती है जैसे दिल्ली, केरल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में 40% से अधिक घरों में इंटरनेट का उपयोग होता है वहीं बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यह अनुपात 20% से कम है। स्कूलों द्वारा डिजिटल पढ़ाई के लिए क्लासिकल ग्रुप बनाये जा रहे हैं और उसमें स्कूल रिपोर्ट में बच्चों के लिए गए नंबरों को जोड़ा जा रहा है लेकिन इन बच्चों के पास फोन ही नहीं है, रिपोर्ट में भी नंबर होते हैं वो परिवार के किसी बड़े के होते हैं क्योंकि इन बच्चों के अपने फोन तो होते नहीं हैं बल्कि कई बार ये भी होता है कि पूरे घर के लिए एक फोन होता है और जिसका सबसे ज्यादा उपयोग परिवार का मुखिया करता है, या फोन में वाट्सएप ही नहीं है तो बच्चे कैसे पढ़ पायेंगे। एक दिक्कत नेटवर्क की भी सामने आ रही है। लॉकडाउन के कारण अभी इंटरनेट का उपयोग बहुत हो रहा है, जिसके चलते स्पीड कम हो गयी है, इन बच्चों के परिवार के पास नेट प्लान भी कम राशि का होता है, जिससे नेट में बार-बार रुकावट आती है, पठन सामग्री डाउनलोड होने में ज्यादा समय ले रही है, क्वालिटी भी खराब होती है जिससे उसे पढ़ना और समझना बच्चों के लिए मुश्किल होता है।

### आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

**मेघ (बु, च, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ):** आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

**वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो):** सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

**मिथुन (क,की,कू,घ,ड, छ, के,के, छ):** कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपको बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

**कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो):** किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अभूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

**सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे):** परिवार के बड़े सदस्यों की आज मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

**कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, ठे, ठो):** आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

**तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते):** आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

**वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू):** व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

**धनु (ये, यो, भ, भो, भू, धा, फा, दा, भे):** आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं अतिरिक्त के लिए जा सकते हैं।

**मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी):** आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

**कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा):** आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसकी नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

**मीन (दी, दू, ध, झ, ज, दे, दो, दा, वी):** आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। लाभ धीमी गति में चलाएँ, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

भारत में क्राउडफंडिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, विदेशों में यह स्थापित है, लेकिन भारत के लिये यह तकनीक एक प्रक्रिया नहीं है, चंदे का नया स्वरूप है जिसके अन्तर्गत जरूरतमन्द अपने इलाज, शिक्षा, व्यापार, सेवा-परियोजना आदि की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर सकता है। न केवल व्यक्तिगत जरूरतों के लिये बल्कि तमाम सार्वजनिक योजनाओं, धार्मिक कार्यों और जनकल्याण उपक्रमों को पूरा करने के लिए लोग इसका सहारा ले रहे हैं। भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में इसका प्रयोग अधिक देखने में आ रहा है। अभावग्रस्त एवं गरीब लोगों के लिये यह एक रोशनी बन कर प्रस्तुत हुआ है।

क्राउडफंडिंग की क्या ताकत होती है उसे अयांश गुप्ता की कहानी से समझ सकते हैं। अयांश की उम्र 3 साल है। वह रेयर जेनेटिक डिस्ऑर्डर स्पाइन्ल मस्क्युलर एट्रोफी, टाइप 1 नाम की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था। 22 करोड़ की बड़ी राशि वाले इलाज के लिए मां-पिता के पास पैसे नहीं थे। फिर क्राउडफंडिंग से यह राशि जुटाकर एक इंजेक्शन लगाया गया। अयांश के इलाज के लिए केंद्र सरकार ने भी मदद की। उन्होंने 6 करोड़ रूपए का आयात शुल्क माफ कर दिया, अब अयांश ठीक है। अयांश के लिए कई बॉलीवुड हस्तियों और क्रिकेटर भी शामिल हुए। इम्पैक्टगुरु डॉट कॉम के सह-संस्थापक और सीईओ पीयूष जैन के अनुसार क्राउडफंडिंग की पावर देखकर खुशी होती है। अयांश को बचाने के लिए बड़ी संख्या में डोनेटर सामने आए। एक व्यक्ति ने तो सबसे ज्यादा 56 लाख रूपए का दान दिया। क्राउडफंडिंग को भारत में स्थापित करने एवं इसके प्रचलन को प्रोत्साहन देने के लिये क्राउडफंडिंग मंच इम्पैक्ट गुरु डॉट कॉम एवं ऐसे ही अन्य मंचों के प्रयास उल्लेखनीय है। असाध्य बीमारियों एवं कोरोना महामारी के पीड़ितों के महंगे इलाज के कारण गरीब, अभावग्रस्त एवं जरूरतमंद रोगियों को क्राउडफंडिंग के माध्यम से चिकित्सा में सहायता के अनूठे कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। बीमा एवं आयुष्मान भारत योजना के होते हुए भी आज अनेक रोगियों को अपेक्षित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है, वे महंगे इलाज के चलते अनेक आर्थिक संकटों का सामना कर रहे हैं, उनके लिये क्राउडफंडिंग एक बड़ा सहारा बना है। क्राउडफंडिंग अब लोगों के लिए गंभीर बीमारी बिलों के लिए आर्थिक संसाधन के लिए अलग हो चुका है। क्राउडफंडिंग का एक पसंदीदा माध्यम बन गया है। अस्पतालों में बीमा के निम्न स्तर एवं जटिल प्रक्रियाओं को देखते हुए इसका प्रयोग एवं प्रचलन अधिक होने लगा है।

भारत में हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिये अब क्राउडफंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। आने वाले समय में क्राउडफंडिंग न केवल जीवन का हिस्सा



### विचार बिन्दु

एंजल का मतलब एडवांस नर्सज की ग्रोथ, एक्सीलेंस एंड लर्निंग है। हमारी नर्स कोरोना महामारी में बहुत लंबे समय तक जान को जोखिम में डालकर, भारी सुरक्षात्मक पीपीई गियर पहनकर, असुविधा में रहकर, खुद को अपने परिवार से अलग रखकर, निरन्तर अपनी सेवाएं देती रही है और यह करते हुए उन्होंने कोई शिकायत नहीं की एवं आशा नहीं खोयी-उन्होंने हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना किया है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न रही हो।

बनेगा बल्कि अनेक बहुआयामी योजनाओं को आकार देने का आधार भी यही होगा। आम नागरिक को चिकित्सा सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिये क्राउडफंडिंग को बढ़ावा देना चाहिए। भारत में सरकारी अस्पतालों को निजी अस्पतालों की तुलना में अधिक सक्षम बनाने की जरूरत है, तभी हम वास्तविक रूप में महंगे चिकित्सा की खामियों का वास्तविक समाधान पा सकेंगे लेकिन इसके साथ-साथ क्राउडफंडिंग के माध्यम से जरूरतमंद एवं गरीब रोगियों की सहायता को भी प्रोत्साहन देने की जरूरत है। अलग हो क्राउडफंडिंग, चिकित्सा खर्च के लिए ऑनलाइन धन जुटाने का एक वैकल्पिक तरीका है। रोगी के दोस्त या परिवार के सदस्य एवं दानदाता मुख्य रूप से सोशल मीडिया नेटवर्क पर भरोसा करते हुए संबंधित चिकित्सा बिलों के धन का दान करते हैं। क्राउडफंडिंग का अतिरिक्त लाभ यह है कि मरीजों को

उस धनराशि को वापस नहीं करना पड़ता है क्योंकि ऑनलाइन प्रदान किया गया धन दान है न कि ऋण। इम्पैक्ट गुरु फाउंडेशन ने अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के साथ साझेदारी में अपनी अलग तरह की एक अनूठी सामाजिक प्रभाव परियोजना 'एंजल रथैक ए नर्स' की घोषणा करते हुए संकल्प व्यक्त किया गया कि अगले कुछ वर्षों में पूरे भारत में एक लाख से अधिक नर्सों को सशक्त बनाया जायेगा। एंजल का मतलब एडवांस नर्सज की ग्रोथ, एक्सीलेंस एंड लर्निंग है। हमारी नर्स कोरोना महामारी में बहुत लंबे समय तक जान को जोखिम में डालकर, भारी सुरक्षात्मक पीपीई गियर पहनकर, असुविधा में रहकर, खुद को अपने परिवार से अलग रखकर, निरन्तर अपनी सेवाएं देती रही है और यह करते हुए उन्होंने कोई शिकायत नहीं की एवं आशा नहीं खोयी-उन्होंने हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना किया है, चाहे परेशानी एवं



ललित गर्ग

## राम मंदिर भूमि पूजन का अभिजीत मुहूर्त है वैभवकारी

5 अगस्त को श्री राम मंदिर निर्माण के लिए होने वाले भूमि पूजन का समय किताब शुभ है और इस दिन क्या-क्या संयोग बन रहे हैं इस पर विभिन्न ज्योतिषाचार्य ने अपने विचार प्रकट किए हैं। इसके साथ ही राम मंदिर का निर्माण करे, वेदों और ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के अनुसार मुहूर्त शुभ है। 5 अगस्त को अयोध्या राम मंदिर का भूमि पूजन होते ही मंदिर निर्माण आरंभ हो जाएगा। भूमि पूजन का समय दोपहर अभिजीत मुहूर्त में निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की नींव रखेंगे और भूमि पूजन करेंगे। 5 अगस्त को भूमि पूजन के लिए अभिजीत मुहूर्त के 32 सेकेंड बेहत खास रहने वाले हैं। इसमें दोपहर के 12 बजकर 15 मिनट और 15 सेकेंड के बाद ठीक 32 सेकेंड के भीतर पहली ईंट रखनी अनिवार्य होगी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए आध्यात्मिक राखने का शुभ मुहूर्त सिर्फ 32 सेकेंड का रहेगा। जिसमें मंदिर की नींव रखना अनिवार्य होगा। अभिजीत मुहूर्त में ही मंदिर की नींव रखी जाएगी। ज्योतिष के अनुसार किसी भी शुभ कार्य के शुभारंभ में अभिजीत मुहूर्त का समय बहुत ही शुभ और कल्याणकारी होता है।

5 अगस्त को श्री राम मंदिर निर्माण के लिए होने वाले भूमि पूजन का समय किताब शुभ है और इस दिन क्या-क्या संयोग बन रहे हैं इस पर विभिन्न ज्योतिषाचार्य ने अपने विचार प्रकट किए हैं। इसके साथ ही विभिन्न धर्म ग्रंथों, वेदों और ज्योतिष शास्त्र के

जानकारों के अनुसार मुहूर्त शुभ है। उनका मानना है कि जहां पर भगवान विष्णु के अवतार का मंदिर बन रहा है और उसमें फिर मुहूर्त अशुभ कैसे हो सकता है। भगवान शिव के अवतार हनुमान जी सोर संकट का निवारण करेंगे और भव्य राम मंदिर का निर्माण निर्विघ्न होगा।

हिंदू धर्म में कोई भी शुभ कार्य और अनुष्ठान शुभ मुहूर्त देखकर ही प्रारंभ किया जाता है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार एक दिन में सूर्योदय से लेकर सूर्योदय तक कुल 30 तरह के मुहूर्त होते हैं। अभिजीत मुहूर्त सभी 30 मुहूर्तों में अत्यंत ही शुभ और फलदायी माना जाता है। अभिजीत का मतलब होता है विजैता और मुहूर्त का अर्थ समय होता है। यानी अभिजीत मुहूर्त में किया गया कोई भी शुभ कार्य अवश्य सफल होता है। सनातन धर्म में मान्यता है अगर किसी भी शुभ कार्य के लिए आध्यात्मिक राखने का शुभ मुहूर्त सिर्फ 32 सेकेंड का रहेगा। जिसमें मंदिर की नींव रखना अनिवार्य होगा। अभिजीत मुहूर्त में ही मंदिर की नींव रखी जाएगी। ज्योतिष के अनुसार किसी भी शुभ कार्य के शुभारंभ में अभिजीत मुहूर्त का समय बहुत ही शुभ और कल्याणकारी होता है।

वास्तु विशेषज्ञ रंजीता ने बताया कि एक दिन में कुल मिलकर 30 मुहूर्त होते हैं। इन 30 मुहूर्तों में कुछ शुभ कार्यों के लिए फलदायी होते हैं तो कुछ शुभ कार्यों में वंचित माने गए हैं। सभी 30 मुहूर्तों में अभिजीत

मुहूर्त को बहुत ही शुभ और कल्याणकारी माना गया है। अभिजीत मुहूर्त प्रत्येक दिन दोपहर होने से करीब 24 मिनट पहले प्रारंभ होकर मध्याह्न के 24 मिनट बाद समाप्त हो जाता है। उदाहरण के तौर पर समझा जाए तो अगर दिन में सूर्योदय ठीक 6 बजे होता है तो अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से ठीक 24 मिनट पहले प्रारंभ होगा और दोपहर 12 बजकर 24 पर समाप्त हो जाएगा। अभिजीत मुहूर्त का समय प्रत्येक दिन सूर्योदय के अनुसार बदलता रहता है।

पंडित रामबाबू शर्मा ने बताया कि वैसे तो सभी तरह के शुभ कार्यों के लिए अभिजीत मुहूर्त बहुत शुभ और मंगलकारी माने गए हैं। अभिजीत मुहूर्त में यात्रा करना, नये कार्य का शुभारंभ करना, व्यापार शुरू करने का और पूजा करने के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। परन्तु कुछ लोगों का मानना है कि मंगलिक कार्य और ग्रह प्रवेश जैसे प्रमुख कार्यों के लिए अभिजीत मुहूर्त के साथ और भी योगों को देखना आवश्यक है। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भूमिपूजन की तारीख तय करने से पूर्व ही भूमिपूजन के शुभ मुहूर्त की ओर पूरा ध्यान दिया। ट्रस्ट के ही अनुरोध पर काशी के प्रख्यात विद्वान पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने विद्वानों से मंत्रणा के बाद भूमिपूजन का मुहूर्त निकाला है। आधारशिला स्थापन में शास्त्रीयता का पूरा ध्यान रखा गया है। राम मंदिर के भूमि पूजन के लिए 5 अगस्त का दिन चुना जाना बहुत ही शुभ है। दरअसल इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं।



### आज का इतिहास

## 05 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 1996 अटलांटा शताब्दी ओलम्पिक का सिडनी में मिलने का वादा के साथ सम्पन्न।
- 1999 चीन और ताइवान के बीच तनाव चरम पर।
- 2002 गौजालो लोजाडा बालोविया के नये राष्ट्रपति चुने गये।
- 2008 भारत के अंडमान निकोबार द्वीप से 176 मील उत्तर-पूर्व में हिंद महासागर में 5.5 तीव्रता के भूकंप का झटका महसूस किया गया।
- 2013 भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने जर्मनी में संपन्न हुए विश्वकप में इंग्लैंड को 3-2 (1-1) से हराकर कांस्य पदक जीता।

### जन्मे व्यक्ति

- 1852 आचार्य प्यारे मोहन - उड़ीसा के प्रमुख राष्ट्रवादी।
- 1901 द्वारका प्रसाद मिश्रा - भारत के प्रसिद्ध राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, साहित्यकार तथा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री।
- 1907 बी. जी. रेड्डी - मद्रास विधान सभा के सदस्य।
- 1969 वेंकटेश प्रसाद, भारतीय क्रिकेटर।
- 1975 काजोल मुखर्जी, भारतीय अभिनेत्री।
- 1980 वत्सल सेठ, भारतीय अभिनेत्री।
- 1987 जेनेलिया डिस्सा, भारतीय अभिनेत्री।
- 1936 सुरेश मेहता - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ और गुजरात के भूतपूर्व मुख्यमंत्री हैं।

## शिक्षा के महान उद्देश्य की पूर्ति केवल परम्परागत स्कूली शिक्षा के माध्यम से ही संभव

### विचार बिन्दु



### डॉ. जगदीश गौधी

शिक्षाविद् एवं संस्थापक-प्रबन्धक सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

वैश्विक कोरोना महामारी के वर्तमान काल में भारत की शिक्षा के अधिकांश देशों के बच्चों की शिक्षा व्यवस्था सबसे ज्यादा प्रभावित रही है। भारत में मार्च, 2020 से ही लगातार स्कूल और कॉलेज बंद चल थे जिसे अब देश के कई राज्यों द्वारा या तो खोल दिया गया है या फिर धीरे-धीरे खोलने की घोषणा की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी बच्चों के हित में 16 अगस्त 2021 से कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्रों के लिए, उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, स्कूलों को खोलने की अनुमति प्रदान कर दी है। हमारा मानना है कि कोरोना महामारी के कारण देश के कुछ स्कूलों ने ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से बहुत हद तक बच्चों की शिक्षा पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोकने में कामयाबी तो पायी है, लेकिन यह ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था भारत जैसे देश में, जहाँ की अधिकांश जनता गाँवों में निवास करती है, कभी भी स्कूली शिक्षा का विकल्प नहीं बन सकती।

शिक्षा में समानता का अर्थ है कि सभी विद्यार्थियों तक शिक्षा की समान पहुँच तथा जाति, वर्ग, प्रदेश, धर्म, लिंग आदि के भेदभाव के बिना समान अवसरों की प्राप्ति। लेकिन यह

हमारे देश के गरीब एवं कमजोर वर्ग के बच्चे का दुर्भाग्य है कि कोरोना महामारी के इस काल में उन्हें स्मार्टफोन और इंटरनेट के अभाव में ऑनलाइन कक्षाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इसके कारण इन बच्चों को समान रूप से शिक्षा नहीं मिल रही है, जबकि शिक्षा समानता लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा सिर्फ सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को जारी रखने का एक जरिया मात्र है। स्कूल की कक्षाओं में आमने-सामने बैठ कर बच्चों को जैसी शिक्षा और विकास मिलता है, वही ऑनलाइन शिक्षा में संभव नहीं है। कुछ समय पूर्व ऑनलाइन शिक्षा की चुनौती विषयक एक वेबिनार में कई स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हमारी पढ़ाई तो बाधित नहीं हो रही है, लेकिन क्लास रूम शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। ऑनलाइन क्लासेज से हम थोड़ी राहत जरूर महसूस कर रहे हैं लेकिन ऑनलाइन शिक्षा को केवल एक विकल्प के रूप में देखा जाये तो ठीक है। इस प्रकार मूलभूत सुविधाओं के अभाव में और शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा न कर पाने के कारण ऑनलाइन शिक्षा कभी भी

स्कूली शिक्षा का विकल्प कतई नहीं बन सकती। इसके साथ ही लम्बी अवधि तक ऑनलाइन कक्षाओं को संचालित करना बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं है। ऑनलाइन शिक्षा को लेकर संयुक्त राष्ट्र की दो शाखाओं यूनेस्को और यूनिसेफ ने इस बात को लेकर चेलाया है कि यह कुछ समय के लिए कारगर हो सकती है, लेकिन इन्हें बड़े पैमाने पर अपनाने से पहले सोचना होगा, क्योंकि यह किसी बड़े बदलाव के खिलाफ एक चेतावनी साबित हो सकती है। दरअसल, इनका कहना है कि अगर इसे बड़े पैमाने पर अपनाया गया तो यह समाज में सामाजिक और आर्थिक रूप से असमानता को जन्म देगा और समय के साथ-साथ इस असमानता को गहरा कर देगा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। ऑनलाइन शिक्षा को गहरा कर देगा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन शिक्षा को जारी रखने का एक जरिया मात्र है। स्कूल की कक्षाओं में आमने-सामने बैठ कर बच्चों को जैसी शिक्षा और विकास मिलता है, वही ऑनलाइन शिक्षा में संभव नहीं है। कुछ समय पूर्व ऑनलाइन शिक्षा की चुनौती विषयक एक वेबिनार में कई स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हमारी पढ़ाई तो बाधित नहीं हो रही है, लेकिन क्लास रूम शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। ऑनलाइन क्लासेज से हम थोड़ी राहत जरूर महसूस कर रहे हैं लेकिन ऑनलाइन शिक्षा को केवल एक विकल्प के रूप में देखा जाये तो ठीक है। इस प्रकार मूलभूत सुविधाओं के अभाव में और शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा न कर पाने के कारण ऑनलाइन शिक्षा कभी भी

स्कूली शिक्षा का विकल्प कतई नहीं बन सकती। इसके साथ ही लम्बी अवधि तक ऑनलाइन कक्षाओं को संचालित करना बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं है। ऑनलाइन शिक्षा को लेकर संयुक्त राष्ट्र की दो शाखाओं यूनेस्को और यूनिसेफ ने इस बात को लेकर चेलाया है कि यह कुछ समय के लिए कारगर हो सकती है, लेकिन इन्हें बड़े पैमाने पर अपनाने से पहले सोचना होगा, क्योंकि यह किसी बड़े बदलाव के खिलाफ एक चेतावनी साबित हो सकती है। दरअसल, इनका कहना है कि अगर इसे बड़े पैमाने पर अपनाया गया तो यह समाज में सामाजिक और आर्थिक रूप से असमानता को जन्म देगा और समय के साथ-साथ इस असमानता को गहरा कर देगा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। ऑनलाइन शिक्षा को गहरा कर देगा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन शिक्षा को जारी रखने का एक जरिया मात्र है। स्कूल की कक्षाओं में आमने-सामने बैठ कर बच्चों को जैसी शिक्षा और विकास मिलता है, वही ऑनलाइन शिक्षा में संभव नहीं है। कुछ समय पूर्व ऑनलाइन शिक्षा की चुनौती विषयक एक वेबिनार में कई स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई के कारण हमारी पढ़ाई तो बाधित नहीं हो रही है, लेकिन क्लास रूम शिक्षा का एक अलग ही महत्व होता है। ऑनलाइन क्लासेज से हम थोड़ी राहत जरूर महसूस कर रहे हैं लेकिन ऑनलाइन शिक्षा को केवल एक विकल्प के रूप में देखा जाये तो ठीक है। इस प्रकार मूलभूत सुविधाओं के अभाव में और शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा न कर पाने के कारण ऑनलाइन शिक्षा कभी भी

बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न रही हो। वास्तव में उनकी निःस्वार्थता एवं सेवाभावना ने उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाया है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनकर प्रस्तुत हुई हैं और उनका बलिदान उन्हें देश के लिये कोविड योद्धा बनाया है। ऐसी अग्रणी एवं प्रथम पंक्ति की कोविड योद्धाओं के उन्नत भविष्य एवं कौशल विकास के लिये क्राउडफंडिंग सहारा बन रहा है, यह स्वागतयोग्य है। कोरोना महामारी में उन्होंने अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन, और वर्तमान सबकुछ झोंक दिया था अब कुछ दानदाता उनकी अनूठी निःस्वार्थता सेवाओं के बदले वापस कुछ लौटाने और उनका भविष्य उन्नत करने के उद्देश्य से प्रारंभ किये जा रहे 'एंजल रथैक ए नर्स' कार्यक्रम में सहयोगी बन रहे हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य नर्स समुदाय को, जिसने महामारी में अपना सब कुछ दिया है, उनके उन्नत भविष्य के लिये वापस देना है। यह एक अनूठा अवसर है जब भारत में क्राउडफंडिंग के माध्यम से नर्सों के समग्र कौशल विकास एवं उनके ज्ञान को अधिक मानवीय बनाने के लिये एक बहुआयामी योजना आकार लेने जा रही है, भारत में क्राउडफंडिंग के बढ़ते प्रचलन से इस योजना की आर्थिक जरूरतों के लिये जन-अनुदान प्राप्त होगा। क्राउडफंडिंग के माध्यम से नर्सों के उत्थान एवं उन्नयन के जो प्रयत्न हो रहे हैं, ऐसे ही प्रयत्न प्रतिभाशाली गरीब बच्चों की शिक्षा एवं पीढ़ित महिलाओं के लिये भी अपेक्षित है। 'लेडी विद द लाइट' के रूप में जो नर्स कोरोना पीड़ितों के साथ जान को जोखिम में डालकर वारडों में पूरी रात देखभाल करती रही है, घंटों उनके साथ बिताती रही हैं, उनके पास जाती रही है, उनके स्वस्थ होने के समग्र प्रयास करती रही है, ऐसी मानवीय सेवा की अदभूत फरिश्तों के लिये क्राउडफंडिंग के सहारे से दूरगामी एवं मानवीय सोच से जो योजना प्रस्तुत की है, उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। हमारे देश में क्राउडफंडिंग के माध्यम से करोड़ों रूपयों की चिकित्सा सहायता एवं अन्य जरूरतों के लिये आर्थिक संसाधन जुटाये जाने लगा हैं। केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी क्राउडफंडिंग का प्रचलन बढ़ रहा है। भारत के सुनहरे भविष्य के लिए क्राउडफंडिंग अहम भूमिका निभा सकती है। क्योंकि क्राउडफंडिंग से भारत में दान का मतलब सिर्फ गरीबों और लाचारों की मदद करना समझते आ रहे हैं जबकि अब कला, विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन को समृद्ध करने का भी सशक्त माध्यम है। ऐसा होने से क्राउडफंडिंग की उपयोगिता एवं महत्ता सहज ही बहुगुणित होकर सामने आयेगी।

## हेल्थ संवाददाता

स्वास्थ्य ही धन है, ऐसे में आप किस तरह के आहार का सेवन करते हैं, उसपर आपका स्वास्थ्य निर्भर करता है। शाकाहारी भोजन आपको न केवल स्वस्थ रखता है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। शाकाहारी भोजन के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता आलेख। सच में यह कहा जाये, तो बिल्कुल गलत नहीं होगा, कि व्यक्ति का शरीर केवल शाकाहार भोजन खाने के लिए बना है। शाकाहार में शरीर के लिए जरूरी आयरन, प्रोटीन, फैट्स, विटामिन्स आदि होते हैं। लेकिन लोगों को यह लगता है कि नॉनवेज में प्रोटीन ज्यादा होता है, इसलिए नॉनवेज खाना चाहिए, लेकिन यह सही नहीं है। शाकाहार के सेवन से भी प्रोटीन की जरूरत को पूरा किया जा सकता है।

## संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम



शाकाहारी भोजन में रेशे यानी फाइबर बहुतायत में पाये जाते हैं। इसमें विटामिन व लवणों की मात्रा भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। शाकाहारी भोजन में पानी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे मोटापा कम होता है। मांसाहार की तुलना में शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा व कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे यह हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। अनाज, फली, फल व सब्जियों में रेशे व एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा होते हैं, जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को दूर रखने में सहायक होते हैं।

## शाक से मिलता है प्रोटीन

शाकाहारी होना कतई हानिकारक नहीं है। मांसाहारियों को शरीर के लिए जरूरी तत्व जो मांस से मिलते हैं, वही जरूरी तत्व शाकाहारियों को कई प्रकार के शाक से मिलते हैं। प्रोटीन जो मछली, मांस और अंडे से प्राप्त होता है, वह वनस्पति से भी प्राप्त होता है।

## बनो शाकाहारी हो जाओ दीर्घायु

मानव शरीर के कार्य करने के लिए ऐसा कोई पौष्टिक व जरूरी तत्व नहीं है, जो वनस्पतियों से प्राप्त नहीं किया जा सकता। फोलेट के अत्यधिक मात्र में होने के कारण और न्यून मात्र में सैचुरेटेड फैट, कोलेस्ट्रॉल व एनिमल प्रोटीन मात्र के कारण शाकाहारी भोजन हमें खतरनाक और सामान्य रोगों से बचाता है।

## विटामिन 'ए':

(1) हरी सब्जियां (2) मक्खन (3) क्रीम (4) गाय का दूध (5) कार्डलिवर आयल

## विटामिन बी 1:

(1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

## विटामिन बी 2:

(1) अंडा (2) टमाटर

## विटामिन बी 3:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन बी 6:

(1) मांस (2) खमीर (3) चावल

## विटामिन बी 12:

(1) अंडा (2) टमाटर

## विटामिन सी:

(1) बंदगोभी (2) शलगम

## विटामिन डी:

(1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

## विटामिन ई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एफ:

(1) मांस (2) खमीर (3) चावल

## विटामिन गी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) मांस (2) खमीर (3) चावल

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

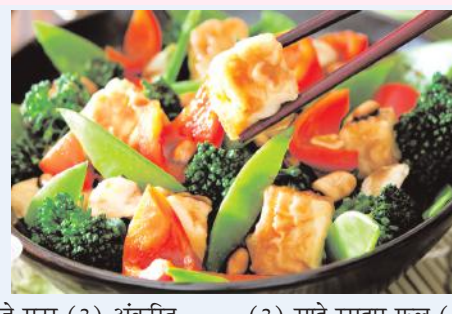
## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## कौन सा विटामिन पाएं कहां से



## विटामिन बी 12:

(1) हरी सब्जियां (2) दालें (4) अनाज (5) खमीर आदि।

## विटामिन सी:

(1) बंदगोभी (2) शलगम

## विटामिन डी:

(1) गेहूं (2) ताजे मटर (3) अंकुरित बीज (4) सेम (5) खमीर आदि।

## विटामिन ई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एफ:

(1) मांस (2) खमीर (3) चावल

## विटामिन गी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन के:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एल:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एम:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एन:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन ओ:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन पी:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन एच:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन आई:

(1) अनाज के दाने (2)

## विटामिन जे:

(1) अनाज के दाने (2)

## शाकाहार शतम् जीवेत् सुखम् जीवेत्



1977 से अमेरिका में विश्व शाकाहार दिवस मनाने की शुरुआत की

शाकाहारी भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।

## शाकाहार पूर्ण पौष्टिक भोजन है

हेल्थ संवाददाता

आज की भौतिक दौड़ में हमने अपने खान-पान को भुला दिया है। आज कई लोग मांसाहारी हो गये हैं। संभवतः यही कारण है कि नयी-नयी बीमारियों का जन्म हो गया है। हमारा शरीर प्राकृतिक तत्वों से मिलकर बना है। अतः मनुष्य को वही जन करना चाहिए, जिसमें सात्विक गुण हो, क्योंकि शरीर किसी बाह्य तत्व का बोझ सहन नहीं कर सकता। अब हमारा पौष्टिक भोजन क्या हो? विशेषज्ञों के अनुसार शाकाहार ही पौष्टिक भोजन है।

शाकाहारी भोजन में उचित मात्रा में शक्तिवर्धक तत्व होते हैं। शाकाहारी भोजन स्वस्थ, सबल और दीर्घायु बनाता है, जबकि मांसाहारी व्याधियों से घिरसे होते हैं। शाकाहार के संबंध में अनेक शोध भी हो चुके हैं। इसका परिणाम स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक ही पाया गया है। शाकाहारी मांसाहारियों की अपेक्षा सहनशील, शक्तिशाली और परिश्रमी होते हैं। इसके अलावा शाकाहारी भोजन का रासायनिक विश्लेषण मांसाहारी भोजन से कई मायनों में अधिक होता है। जैसे प्रति सौ ग्राम अंडों का विश्लेषण करने पर 13.3 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 13.3 फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.0 प्रतिशत मिनरल्स व 173 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है, जबकि प्रति सौ ग्राम सोयाबीन से 43.3 प्रतिशत प्रोटीन, 20.9 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 19.5 प्रतिशत फैट, 3.7 प्रतिशत फाइबर, 4.6 प्रतिशत मिनरल्स और 432 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। ऐसे प्रति सौ ग्राम बकरे का मांस 21.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 23.6 प्रतिशत फैट, 0 प्रतिशत फाइबर, 1.1 प्रतिशत मिनरल्स, 118 कैलोरी ऊर्जा रखता है, जबकि प्रति सौ ग्राम मोट से 23.6 प्रतिशत प्रोटीन, 56.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 1.1 प्रतिशत फैट, 4.5 प्रतिशत फाइबर और 330 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।

## मछली में है प्रचूर मात्रा में प्रोटीन

इसी प्रकार मछली की अनेक किस्मों में प्रति सौ भाग रासायनिक पौष्टिकता इस प्रकार है- प्रोटीन 8.9 से 76.1 प्रतिशत, फाइबर 0 प्रतिशत, मिनरल्स 0 से 27.5 प्रतिशत और ऊर्जा 59 से 413 कैलोरी, जबकि मूंगफली व तरबूज के सौ ग्राम बीजों की पोषकता यूं है- 26.2 से 34.1 प्रतिशत प्रोटीन, 26.7 से 45 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट्स, 39.8 से लेकर 52.6 प्रतिशत फैट, 0.8 से लेकर 3.1 प्रतिशत फाइबर, 1.6 से लेकर 25 प्रतिशत मिनरल्स और 470 से लेकर 628 कैलोरी ऊर्जा।

## हरी सब्जियां में है विटामिन्स की खान

अब देखें फाइबर मांस में बिल्कुल नहीं है, जबकि रोगों से लड़ने की ताकत यही जुटाता है। इसके विपरीत हर शाकाहारी भोजन में फाइबर की उपस्थिति निश्चित है। इसके अतिरिक्त हरी सब्जियां तो विटामिन्स की खान है अगर कुछ विटामिन्स रह भी जाएं तो इसकी पूर्ति, दूध, दही व मक्खन से की जा सकती है। शाकाहार के संबंध में अमेरिका में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि जो अमेरिका महिलाएं शाकाहारी होते हैं उन्हें छाती का कैंसर कभी न होने की संभावना होती है। शाकाहार में अंगूर, पपीते व हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने वालों को भोजन नली का कैंसर बहुत कम होने का खतरा रहता है। शाकाहार के संबंध में जर्मनी की इंस्टीट्यूट आफ सोशियल मेडिसिन एंड एपिडेमियोलॉजी द्वारा भी सर्वेक्षण किये जा चुके हैं।

## शाकाहार से रक्तचाप

## रहता है सामान्य

इस संस्था के शोधकर्ताओं का मानना है कि शाकाहारियों के रक्त में यूरिक एसिड का मात्रा कम होती है। इससे रक्तचाप सामान्य रहता है, जबकि मांसाहारियों में इसकी अधिकता पायी जाती है। शाकाहार के बारे में कुछ जाने-माने सितारों का भी मत सकारात्मक है।

## विश्व प्रसिद्ध शाकाहारी

विश्व के प्रसिद्ध महापुरुष शाकाहारी थे, जिनमें सर आईजक न्यूटन, टॉलस्टॉय, मिल्टन, अरस्तु, बर्नार्ड शा आदि के नाम प्रमुख हैं। शाकाहार ने ही उनके बंद ज्ञान की पंखुड़ियों को खोलने में मदद की। महान वैज्ञानिक एलबर्ट आइन्स्टाइन का कथन आज भी सत्य है। शाकाहार का हमारी प्रकृति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे तो ईसान का भाग्य पलट सकता है। कैंसर एंड अदर डिजीज फ्राम मी-कन्जम्पशन पुस्तक के लेखक लियोनार्डो ब्लांचे ने कैंसर के अनेक मरीजों का इलाज किया है। उन्होंने पाया कि कुल संख्या का एक तिहाई भाग जिस कैंसर से पीड़ित मिला है, वह पेट का कैंसर ही था। उनके अनुसार, पेट में पूरी तरह न पचने वाले खाद्य पदार्थों से ऐसा संभव हुआ है। मांस ऐसा भोजन है जो देर से पचता है, जबकि शाकाहार करने वाले ऐसी शिकायतों कम करते हैं।

## शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता

आर्थिक दृष्टि से शाकाहार, मांसाहार की अपेक्षा अधिक सस्ता पड़ता है। शाकाहारी भोजन चाहे जितना ही भारी हो, लेकिन मांस से पहले पचता है। यह भूख को पूर्ण रूप से तृप्त करता है। इससे मोटापा आने के आसार बहुत कम होते हैं। शाकाहारी के शरीर में रक्त के संचार की गति तेज होती है। शाकाहार की महत्ता को गास्पल आफ जीसस क्राइस्ट में भी बताया गया है कि यदि तुम शाकाहारी भोजन को नियमित अपनाओगे तो तुम्हें नया जीवन व शक्ति मिलेगी।

मांसाहारी जिन मांस को खाते हैं, वह न जाने कैसे पशुओं का होता है। शहर में घूमते इन आवारा पशुओं को अनेक बीमारियां घेरे रहती हैं। जब इन्हें काटा जाता है तो क्या इनके शरीर की जांच की जाती है?

## मांसाहार मानव शरीर को करता विकृत

मांसाहार अवश्य ही मानव शरीर को विकृत करता है। शाकाहार वास्तव में मनुष्य के मन और शरीर को सुदृढ़ बनाता है। अतः निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि हर हाल में शाकाहार मांसाहार की अपेक्षा अत्यंत लाभदायक होता है, फिर मनुष्य को प्रकृति में रहने की आदत है तो उसी के अनुरूप आचरण भी करना चाहिए।

## लहसुन उच्च रक्तचाप में राहत देता है

लहसुन सर्दियों से दुनिया भर में अनेक लोगों के भोजन का अंग रहा है, जो लोग इसे पसंद करते हैं, उनका कहना है कि लहसुन से खाने का मजा बढ़ जाता है, लेकिन दुनिया के कई समाज इसे खाना अच्छा नहीं समझते, शायद तीखी गंध के कारण। आयुर्वेद में लहसुन का गुण-गान किया गया है। अब तो आधुनिक चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ भी कई बीमारियों में इसे कारगर मानने लगे हैं। दमा, बहरेपन, खांसी-जुकाम, पेट में कीड़े आदि में लहसुन लेने की सलाह दी जाती है। छाती के रोगों में और सर्दी लग जाने पर लहसुन की दूध में उबाल कर लेना चाहिए। तपेदिक के मरीजों के लिए भी लहसुन बहुत मुफेद है। लहसुन की कली को पीसकर 250 ग्राम दूध में धीमी आंच पर उबालिये। एक चौथाई दूध रह जाने पर यह दवा बन जाएगी। इसे दिन में तीन बार लेना चाहिए। सुबह-सबरे खाली पेट लहसुन की एक-दो कलियों को जल-सा कूट कर पानी में निगल जाएं। उच्च रक्तचाप और पेट की बीमारियों में फायदा होगा। आंतों में जमा विषैला तत्व नष्ट हो जाता है।

लहसुन का सबसे बड़ा अवगुण इसकी बू है। जो लोग लहसुन नहीं ले सकते, वे लहसुन के कैप्सूल ले सकते हैं, जो बाजार में उपलब्ध हैं। लहसुन गुणों का भंडार है, लेकिन कुछ लोगों को नुकसान कर सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है। जिनकी पाचन शक्ति कुछ ज्यादा ही गड़बड़ हो, गर्म चीजें खाने से जिन

## आर माधवन के लिए तत्काल विग लाए थे आमिर...

मुंबई। आमिर खान और आर माधवन का दिलचस्प किस्सा है। आमिर खान और आर माधवन की फिल्म एपिक फिल्म 'रंग दे बसंती' की, जिसमें माधवन ने फ्लाइंग लेफ्टिनेंट अजय राठौड़ का किरदार निभाया था। जो देश की सेवा करते हुए शहीद हो जाते हैं। दरअसल आर माधवन ने कुछ देर के रोल में ही दर्शकों के दिलों में एक गहरी छाप छोड़ी थी। आपको बता दें कि इस फिल्म में जो विग आर माधवन ने लगाया था वह डेढ़ लाख रुपए का था और माधवन कैसे भी फिल्म में रोल करें इसके लिए आमिर खान तुरंत लेकर आए थे। माधवन ने इस फिल्म में पूरे टाइम विग लगाकर रखी थी क्योंकि जब उनको ये फिल्म ऑफर की गई तो वो किसी दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे।

## लाइफ Style

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी बाघ का कहना है कि वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना उनके लिये सपना सच होने जैसा है। आलिया भट्ट, आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड वाली फिल्म अल्फा का नेतृत्व कर रही है, जिसमें शरवरी बाघ सुपर-एजेंट की भूमिका निभा रही है।

## शरवरी

सच हो रहा सपना

एजेसी मुंबई

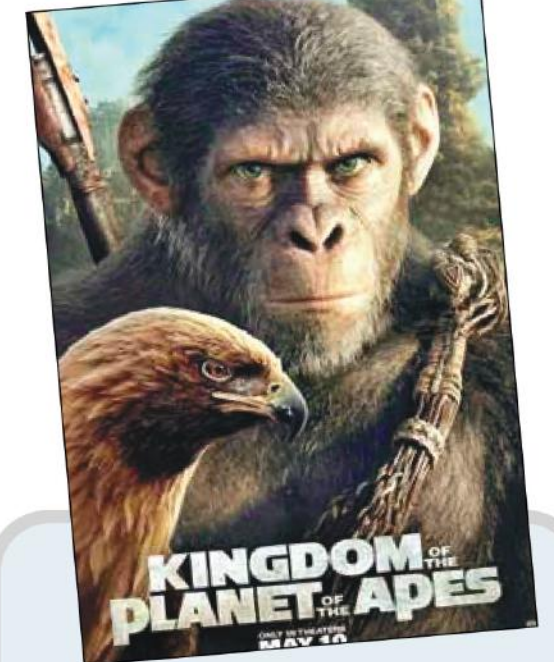
अल्फा का निर्देशन शिव रवेल कर रहे हैं। इस स्पाईवर्स का हिस्सा बनकर शरवरी अभिभूत हैं, जिसमें भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी अग्रणी महिलाएं जैसे दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ और अब आलिया भट्ट ने इसकी शोभा बढ़ाई है। शरवरी बाघ ने कहा कि वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना अत्यंत रोमांचक है। मैं वास्तव में बहुत दबाव महसूस नहीं कर रही हूँ, क्योंकि मैं इस यूनिवर्स का हिस्सा बनने की प्रक्रिया का हर पल आनंद ले रही हूँ। मैं इस समय ऊर्जा और उत्साह से भरपूर हूँ। इस अवसर को पाकर बहुत उत्साहित हूँ। हमारे देश को सबसे बड़ी सुपरस्टार में से एक आलिया भट्ट के साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। मैं सेंट पर जाने, हर दिन आलिया से सीखने और अपने सीन को अच्छे से निभाने के लिए तत्पर हूँ। यदि मैं दबाव को अपने ऊपर हावी होने दूंगी, तो मुझे मजा नहीं आएगा और मैं ऐसा नहीं चाहती। एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा बनना, जिसमें मेरे सिनेमा के आदर्श हों, सचमुच एक सपना सच होने जैसा है। मैं आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ की प्रशंसा करती हूँ।



## हॉलीवुड मसाला

### तीसरी बार बनने वाली हैं मां

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रेपर और गीतकार कार्डी बी ने तीसरी बार मां बनने का फैसला किया है। उन्होंने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा कर यह खुशखबरी प्रशंसकों को सुनाई है। इन तस्वीरों में कार्डी अपनी बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने लंबा-चौड़ा नोट लिखा है। कार्डी ने लिखा, 'हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। मैं इस खुशखबरी को आपके साथ साझा करने के लिए बहुत आभारी हूँ।'

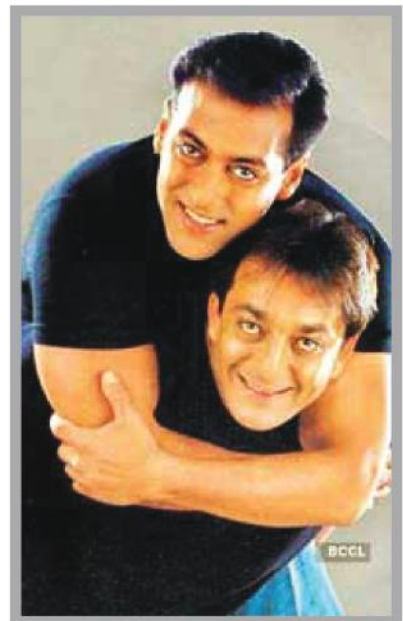


## किंगडम ऑफ द... ऑनलाइन लीक

मुंबई। रिक जाफा, अमांडा सिल्वर के किरदारों और पियरे बोलै की प्लेनेट ऑफ द एप्स की कहानी पर आधारित वेब सीरीज किंगडम ऑफ द एप्स फिलिम ने इस साल 10 मई को रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर सनसनी मचा दी थी। किंगडम ऑफ द एप्स प्लेनेट ऑफ द एप्स रीबूट फिल्म सीरीज की चौथी किस्त है। इस फिल्म की कहानी युद्ध के 300 साल बाद की है। यह फिल्म जोआ नाम की युवा चिम्पांजी और उसके साथी माई की कहानी दिखाती है। इस फिल्म को लेकर एक बुरी खबर आ रही है। खबर आ रही है कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने के बाद लीक हो गई है। फिल्म में फ्रेया एलन ने ने की भूमिका निभाई है।

## हॉरर कॉमेडी 'स्त्री-2' 15 को होगी रिलीज

मुंबई। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह फिल्म 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 6 साल बाद 'स्त्री' की दूसरी किस्त दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। 'स्त्री 2' 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना 'खेल खेले में' और 'वेदा' से होगा। 24 जुलाई को फिल्म का पहला गाना 'आज की रात' रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। अब निर्माताओं ने 'स्त्री 2' का दूसरा गाना 'आई नहीं' जारी कर दिया है, जिसे पवन सिंह ने आवाज दी है। 'आई नहीं' गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है। पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।



## सल्लू-संजय सालों बाद मचाएंगे धमाल

मुंबई। सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी कई फिल्मों में दिख चुकी है। दोनों की जुगलबंदी दर्शकों को बेहद पसंद आती है। अब एक बार फिर यह जोड़ी दर्शकों के बीच अपना जादू चलाने को तैयार है। संगीत की दुनिया में अपने गानों से धाक जमाने वाले एपी दिल्लों दोनों को साथ लेकर आ रहे हैं। संजय और सलमान किसी फिल्म के लिए नहीं, बल्कि 'ओल्ड मनी' नाम के गाने के लिए साथ आ रहे हैं। इसका टीजर रिलीज कर दिया गया है, जो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इसमें तीनों के एनिमेटेड पोस्टर हैं। सलमान हाथ में पैसे लिए नजर आ रहे हैं। उनकी आंखों में गुस्सा है, वहीं संजय भी गंभीर लुक में ही नजर आ रहे हैं। उधर साथ खड़े दिल्लों को हाथ में गन लिए देखा जा सकता है।

## टीवी मसाला



## आसिम ही नहीं, अंकिता व शिल्पा को भी दिखाया गया था बाहर का रास्ता

मुंबई। इस वक्त आसिम रियाज 'खतरों के खिलाड़ी 14' में हुए अपने विवाद को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने न सिर्फ को-कंटेस्टेंट्स बल्कि मेकर्स और शो के होस्ट रोहित शेट्टी के साथ भी बर्दासलूकी की, जिसके कारण उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वह सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए लगातार रोहित शेट्टी और बाकी लोगों पर कटाक्ष कर रहे हैं। हालांकि फैसला उनके इस एंटी-ट्यूड को गलत बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके साथ ऐसा ही होगा चाहिए था। बता दें कि आसिम रियाज के साथ ही ऐसा नहीं हुआ है कि शो के नियम तोड़ने और मेकर्स को मला बुरा कहने पर बाहर किया गया है। इससे पहले भी कई 'सेलेब्स' को चलते शो से बाहर कर दिया गया था। इनमें शिल्पा शिंदे, कुशाल टंडन का नाम भी शामिल है। हम आपको ऐसे ही कई लोगों के नाम हम बताते वाले हैं, जिनके साथ ऐसा ही हुआ है।

**अंकिता लोखंडे** : अंकिता लोखंडे जो इस वक्त रिपब्लिकी कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफर्स' में नजर आ रही हैं, एक समय में वह कॉमेडी सर्कस में काम कर रही थीं। मेकर्स को उनसे शिकायत थी कि वह अक्सर देरी से आया करती थीं। इसका असर उनके एंटर पर भी पड़ रहा था। बार-बार कहने पर भी अंकिता समय पर नहीं पहुंचती थीं, जिसके कारण मेकर्स को उन्हें रिप्लेस करना पड़ा।

**अर रियाज** : आसिम रियाज के भाई अर रियाज का मिजाज भी कुछ उन्हीं की तरह है। वह 'बिग बॉस 15' के कंटेस्टेंट रह चुके हैं और उनके गुस्से के कारण उन्हें बीच शो से निकाल दिया गया था। उन्होंने शो के अहम नियम का उल्लंघन किया था, जिसके कारण मेकर्स को ये फैसला लेना पड़ा था।

**दुर्दि धामी** : दुर्दि धामी जो जल्द ही मां बनने वाली हैं, वह झलक दिखाता जा 7 होस्ट कर रही थीं, लेकिन कहा जाता है कि वह सेट पर नखरे दिखाया करती थीं, जिसके कारण उन्हें रिप्लेस कर दिया गया। उनकी जगह बाद में मनीषा पॉल को लाया गया था।

**शिल्पा शिंदे** : आबीजी घर पर ही की मुख्य किरदार रहती शिल्पा शिंदे ने अनाक गोर को छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने मेकर्स पर कई आरोप लगाए। मगर शो के प्रोड्यूसर के मुताबिक वह आप दिन सेट पर किसी न किसी बात को लेकर शिकायत करती थीं, जिसके कारण उन्हें शो से हटा दिया गया था।

**कुशाल टंडन** : कुशाल टंडन को आसिम रियाज के एंटी-ट्यूड को गलत बताया है और सोशल मीडिया पर लंबा चौड़ा पोस्ट भी शेयर किया है। हालांकि वो खुद बिग बॉस 7 से अपने इसी रवैये के कारण आउट हुए थे। उनके गुस्से और झगड़ों के कारण उन्हें एक्टिव किया गया था।

**इनको भी रातों-रात किया रिप्लेस**

इसके अलावा हाल ही में ये रिश्ता क्या कहलाता है से शहजादा धामी और प्रतीक्षा होनमुखे को रातों-रात रिप्लेस कर दिया गया। इसके पीछे का कारण भी सेट पर उनके नखरे बताया गया है। मेकर्स की तरफ से कहा गया कि वह दोनों का एंटी-ट्यूड अचानक नहीं था।

## 61 वर्ष की हुई मंदाकिनी, ऐसे मिली थी राम तेरी गंगा मैली फिल्म...

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री मंदाकिनी 61 वर्ष की हो गई हैं। मंदाकिनी का जन्म 30 जुलाई, 1963 को एंग्लो-इंडियन परिवार में मेरठ में हुआ था। उनके पिता जोसफ बिटिश नागरिक थे, जबकि मां मुस्लिम थीं। मंदाकिनी के बचपन का नाम थासमीन जोसेफ था। मंदाकिनी ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1985 में प्रदर्शित बंगाली फिल्म अंतारेर भालोबाशा से की थी। वर्ष 1985 में ही मंदाकिनी ने फिल्म मेरा साथी से बॉलीवुड में भी कदम रखा। हालांकि यह फिल्म टिकट खिडकों पर बुरी तरह से नकार दी गई। इसी वर्ष मंदाकिनी की फिल्म राम तेरी गंगा मैली प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में राज कपूर के छोटे बेटे राजीव कपूर लीड रोल में नजर आए थे। राजकपूर निर्मित-निर्देशित इस फिल्म की सफलता ने मंदाकिनी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए मंदाकिनी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित की गईं। हालांकि फिल्म के लिए मंदाकिनी नहीं, बल्कि पद्मिनी कोल्हापुरे राज कपूर की पहली पसंद थीं लेकिन उन्होंने मना कर दिया था।

## रोमांस, एक्शन भी होगा और सस्पेंस तो ऐसा होगा, जो आपको हैरान ही कर देगा

## अगस्त होगा मस्त, इन सीरीज के साथ 'चमक' उठेंगे ओटीटी प्लेटफॉर्म

**नई दिल्ली। अगस्त महीने की शुरुआत हो चुकी है और नेटप्लिक्स से लेकर अमेज़न प्राइम और डिज्नी प्लस हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म अपने नए-नए कहानियों के साथ हाजिर हैं। अगस्त आप सीरीज के शौकीन हैं तो इस महीने आपको बेरियत बिल्कुल नहीं आएगी। पूरे अगस्त के महीने में आपको एक नहीं, बल्कि 16 वेब सीरीज अलग-अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखने को मिलेगी। इस पूरे महीने की तैयारी हो चुकी है। एक तरफ जहां मेकर्स कई पुरानी वेब सीरीज नए सीज के साथ लौट रहे हैं, तो वहीं कुछ नए कहानियों के साथ नई सीरीज आ रही हैं। रोमांस होगा, एक्शन भी होगा और सस्पेंस तो ऐसा होगा, जो आपको हैरान ही कर देगा।**

**लाइफ टिल गर्ल** : इस महीने कॉमेडी का तड़का लगने वाला है। मिर्जापुर के मुन्ना गैंग यानी कि दिव्येंद्र शर्मा की नई वेब सीरीज लाइफ टिल गर्ल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। इस सीरीज में उनके साथ कुशा कपिला नजर आएंगी। ये दो बिगडैल अमेर भाई-बहन की कहानी है, जो अपना पेशा आराम छोड़कर अपने बड़े बच्चा-बच्ची की संपत्ति हासिल करने के लिए अपनी जारी सुब सुबिधा छोड़कर उत्तराखंड के छोटे से गांव में रहते हैं। यह सीरीज प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 9 अगस्त को रिलीज होगी।

**स्टार वर्स** : स्टार वॉर्स सीरीज की कहानी रंग जेडी की है, जो गैलेक्सी में समुद्री डाकूओं को रोकने के लिए एक मिशन पर निकला है। ये एक एनिमेटेड सीरीज है। इसके निर्माता - लुकास, फिल्म स्टारकास्ट- कई बाइबेल्स, लिना सोले, नव्य, नर जॉनर, एनिमेशन डिज्नी प्लस हॉटस्टार में 14 अगस्त को रिलीज होगी।

**द जॉन सर्विडल मिशन** : ये सीरीज नए युग की कहानी की दर्शाती है, जहां अजल फेक लगता है और फेक असली - सा प्रतीत होता है। द जॉन में नया वरुअल स्पेस उभरता है। ये एक कॉरियम सीरीज है। निर्माता - छो द्यो जिन, स्टारकास्ट- ली खानोंग, ली क्वान, रा

**काइम शिरार** : प्लेटफॉर्म - सोनी लिव। दो अगस्त को हुई रिलीज।

**मॉन-मार्टल** : ये डॉक्यूमेंट्री एस एस राजामौली की कहानी को दर्शाती है, जिसमें उनके फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर भी नजर आएंगे, जो उनके फिल्में बनाने के तरीकों के बारे में बात करेंगे। निर्देशक - राघव खन्ना, तन्वी अजिज। स्टारकास्ट - राजामौली। जॉनर- डॉक्यूमेंट्री। प्लेटफॉर्म - नेटप्लिक्स। दो अगस्त को रिलीज हुई।

**थामरन सीजन 2** : इस वेब सीरीज की कहानी प्यार और बढ़ने की है, जो युनिवर्स ने एक बड़ा बदलाव करती है। ये टर्किश सीरीज है। निर्माता - टैमर बसर्न और सुजन गुवेट। स्टारकास्ट - सेरेने सारिकवा, बुराक डेमिन, माहिर गुशियर, मुस्ताका उजारली, मेर्ट रजवान डेमिर, मिल सुडे अल्बायरक। जॉनर- थ्रिलर। प्लेटफॉर्म - नेटप्लिक्स। रिलीज - 8 अगस्त।

**द अम्बेला एकेडमी** : द अम्बेला एकेडमी एक सुपरहीरो सीरीज है, जिसके सीजन 4 में पहले से ज्यादा हिस्सा और लड़ाई ऑडियंस को देखने को मिलेगी। इस सीजन में टोटल छह एपिसोड देखने को मिलेंगे। स्टारकास्ट - टॉम हॉपर, इलियट पेज, डेविड कार्टावेडा। जॉनर, एक्शन बल्कि कॉमेडी साई-फाई फंतासी सुपरहीरो सीरीज।

**आनली मर्डर्स इन द विलिंग** : इस कॉमेडी सीरीज में सेलेना गोमेज मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। ये इंग्लिश सीरीज है। स्टारकास्ट - सेलेना गोमेज, स्टीव मार्टिन, मार्टिन शॉट। जॉनर - कॉमेडी ड्रामा मिस्ट्री। प्लेटफॉर्म - हट्टु। रिलीज - 21 अगस्त।

**गुन सीजन 1** : एक काल्पनिक शहर पर बनी कहानी को दर्शाती इस वेब सीरीज में तुषा बुद्ध का किरदार निभा रही हैं, जो पेशे से एक पुलिस हैं और एक घटना की छानबीन करती नजर आ रही हैं। निर्देशक - सूर्या मनोज वंगला। स्टारकास्ट- तुषा कुषुम। जॉनर -



## स्वर संक्षेप

विदेश पर्यटन पर खर्च सालाना 11 फीसदी बढ़ा



नई दिल्ली। भारत से विदेश जाने वाले पर्यटन पर खर्च 2024 के 18.82 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2034 में 55.39 अरब डॉलर होने का अनुमान है। नागिया एनएक्सटी और फिक्की की संयुक्त रिपोर्ट 'नेविगेटिंग होराइजन्स' में कहा गया कि 'पैकेज्ड टूर' अब भी भारत के विदेशी पर्यटन पर हावी है।

ब्लैक बॉक्स तरजीही निर्गम से राशि जुटाएगी



नई दिल्ली। एस्सार समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी ब्लैक बॉक्स के निदेशक मंडल ने तरजीही निर्गम के जरिये 410 करोड़ रुपये तक का कोष जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि मौजूदा प्रवर्तकों से 200 करोड़ रुपये, विदेशी संस्थागत निवेशकों सहित प्रमुख निवेशकों से 200 करोड़ रुपये और कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कर्मियों से 10 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे।

पूजीकरण में टीसीएस व इफोसिस रही घाटे में



नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 1,28,913.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रही।

अमारा राजा का शुद्ध लाभ 26 फीसदी बढ़ा



नई दिल्ली। अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 249.12 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 198.31 करोड़ रुपये रहा था। अमारा राजा एनर्जी ने कहा कि उसकी परिचालन आय जून तिमाही में बढ़कर 3,263.05 करोड़ रुपये रही है।

जेएसडब्ल्यू ने लौह अयस्क ब्लॉक वापसी का नोटिस दिया



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने 'आर्थिक रूप से अव्यावहारिक परिचालन' का हवाला देते हुए ओडिशा में एक लौह अयस्क ब्लॉक के खनन पट्टे को वापस करने का नोटिस सौंपा है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि क्वॉइज़र में जाजंग लौह अयस्क ब्लॉक सहित चार लौह अयस्क खनन पट्टों को उसने 2020 में नीलामी के जरिये हासिल किया था।

बीते सप्ताह सोयाबीन मूंगफली में गिरावट दर्ज



नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसो तेल-तिलहन, पाम एवं पामोलीन तथा बिनीला तेल कीमतों में सुधार दिखा, जबकि सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन के भाव हानि दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसो की आवक कम हो रही है और जुलाई में सभी खाद्य तेलों को मिलाकर लगभग 19 लाख टन के सस्ते आयात के कारण सरसो तेल के पेटाई के बाढ़ बेपइता होने की वजह से अब पेटाई मिलें बंद हो रही हैं।

# एफएंडओ के हतोत्साहित करने से बैंक जमा बढ़ाने में मदद मिलेगी

एजेसी ►► मुंबई

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा है कि खुदरा निवेशकों को डेरिवेटिव बाजार में दांव से हतोत्साहित करने वाले नियामकीय कदमों से बैंकिंग प्रणाली को बेहद जरूरी जमा जुटाने में मदद मिल सकती है।

खारा ने कहा कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर बदलाव जैसी बजट घोषणाओं से जमा वृद्धि के नजरिये से ज्यादा फायदा नहीं होगा। खारा ने सप्ताहांत में कहा, नियामक द्वारा खुदरा निवेशकों के लिए एफएंडओ (वायदा और विकल्प) जैसी चीजों

एसबीआई के चेयरमैन खारा ने कहा: डेरिवेटिव में 90 फीसदी खुदरा निवेशकों को नुकसान हो रहा

बैंक जमा वृद्धि 10% पहुंचाना चाह रहा

एसबीआई के पास कुल 20 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी है। खारा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में एसबीआई ऋण में 15 प्रतिशत और जमा में आठ प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बैंक का प्रयास जमा वृद्धि को 10 प्रतिशत पर पहुंचाने का होगा।



फिलहाल पैसा अभी पूंजी बाजार में जा रहा

पिछले तीन वर्षों से जमा वृद्धि ऋण में बढ़ोतरी से साथ तालमेल बैठाने में असमर्थ है। खारा ने कहा कि यह पैसा वैकल्पिक साधनों मसलत पूंजी बाजार में जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंक खाता परिवारों की बचत को जमा करने का प्रमुख साधन है और इसपर ब्याज मिलता है।

बैंक कर्ज देने में धीमी गति से बढ़ रहा

चेयरमैन ने यह बताया कि 2011 में भी ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक थी। वर्तमान में, जमा और ऋण वृद्धि के बीच के अंतर के बारे में वित्त एवकत की जा रही है, जिसके कारण बैंक कर्ज देने में धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं, जो समग्र आर्थिक वृद्धि के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

कंपनियों को घाटे की प्रमुख वजह एलपीजी की कम दाम पर बिक्री

## रिकॉर्ड मुनाफे के बाद पेट्रोलियम कंपनियों के लाभ में 90% गिरावट

एजेसी ►► नई दिल्ली

रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज करने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों.. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (एचपीसीएल) के अप्रैल-जून तिमाही के मुनाफे में 90 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसकी प्रमुख वजह रसोई गैस (एलपीजी) की लागत से कम दाम पर बिक्री है। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी आईओसी का अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत घटा है। यह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,643.18 करोड़ रुपये रहा है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 13,750.44 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

तिमाही आधार पर भी कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई है। इससे पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 11,570.82 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही के दौरान एचपीसीएल का मुनाफा 90 प्रतिशत घटकर 633.94 करोड़ रुपये रह गया, जबकि अप्रैल-जून, 2023 में यह 6,765.50 करोड़ रुपये और पिछली मार्च तिमाही में 2,709.31 करोड़ रुपये था।

अप्रैल-जून तिमाही में आईओसी को हुआ 81 फीसदी घाटा

कंपनियों का शुद्ध

बफर नकारात्मक रहा

हालांकि, 30 जून, 2024 को, तीनों कंपनियों के शुद्ध बचकर नकारात्मक था। तीनों पेट्रोलियम कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज किया था। यह तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी सालाना 39,356 करोड़ रुपये की कमाई से कई अधिक था।



कम दाम से आईओसी को 5156 करोड़ का घाटा

इन कंपनियों द्वारा शेयर बाजारों को भेजी सूचना के अनुसार, आईओसी को अप्रैल-जून में एलपीजी की लागत से कम दाम पर बिक्री से 5,156.23 करोड़ रुपये, बीपीसीएल को 2,015.10 करोड़ रुपये और एचपीसीएल को 2,443.71 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पिछले साल अत्यधिक

मुनाफा कमाया था

बीपीसीएल का शुद्ध लाभ अप्रैल-जून में घटकर 2,841.55 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 10,644.30 करोड़ रुपये और जनवरी-मार्च तिमाही में 4,789.57 करोड़ रुपये था। तीनों इंधन खुदरा विक्रेताओं ने पिछले साल लागत में गिरावट के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों को बरकरार रखकर अत्यधिक मुनाफा कमाया था।

लागत बढ़ने के बावजूद दाम नहीं बढ़े

इन कंपनियों का रकत था कि इससे पिछले साल लागत बढ़ने के बावजूद उन्होंने दाम नहीं बढ़ाए थे और नुकसान उठाना था। हालांकि, कीमतों को फ्रीज करने का लाम आम चुनाव से पहले नहीं बढ़ाए थे और नुकसान उठाना था। हालांकि, कीमतों को फ्रीज करने का लाम आम चुनाव से पहले नहीं बढ़ाए थे और नुकसान उठाना था। हालांकि, कीमतों को फ्रीज करने का लाम आम चुनाव से पहले नहीं बढ़ाए थे और नुकसान उठाना था।

## ब्याज दर पर निर्णय से होगी शेयर बाजार की दिशा तय

विदेशी निवेशकों की गतिविधियां होगी महत्वपूर्ण



ऊंचे मूल्यांकन से बाजार में आ सकती है गिरावट

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "आगे चलकर ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है। इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिवर्तन पर कुछ संकेत मिलेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है।"

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक बाजारों के रुख से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। सेवा क्षेत्र के एचएसबीसी पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) आंकड़ों की घोषणा सोमवार को होगी। स्वस्तिका इन्व्स्टमार्ट लि. के शोध

प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, "इस सप्ताह सभी की निगाह वैश्विक बाजारों पर रहेगी। लंबे समय की स्थिरता के बाद अब बाजार में कमजोरी का कुछ संकेत दिखने लगा है। इससे भारतीय बाजार की मनबूती की परख होगी, जो तरलता की बेहतर स्थिति की वजह से अभी तक जुझारू बना हुआ है।" मीणा ने कहा कि घरेलू मार्च पर आठ अगस्त को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा संस्थागत प्रवाह भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

कश्मीर में आई अंगूर की फसल...



मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के रेपोरा लार इलाके में रविवार को एक किसान अंगूर की फसल काट रहा है। इलाके में इस साल बेहतर मौसम की वजह से फसल अच्छी आई है।

## सीमेंट की मांग सात से आठ फीसदी बढ़ेगी : अल्ट्राटेक

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष में सीमेंट की मांग सात से आठ प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने हाल ही में जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि इस वृद्धि को देशभर में निर्माण गतिविधियों में बढ़ोतरी से मदद मिलेगी। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ने कहा कि इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सीमेंट उद्योग में अगले वित्त वर्ष (2025-26) में 3.5 से चार करोड़ टन क्षमता बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा, मांग में इस



वृद्धि से चालू वित्त वर्ष (2024-25) में उद्योग का क्षमता इस्तेमाल 72 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा, जो 2022-23 में लगभग 68 प्रतिशत था। अल्ट्राटेक ने कहा, "देश भर

में बुनियादी ढांचे और आवास क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों में वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष (2024-25) में सीमेंट की मांग सात से आठ प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।" पीएम गति शक्ति के सिद्धांतों का पालन करते हुए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की एकीकृत और समन्वित योजना और कार्यान्वयन पर 'एकजुट ध्यान' दिया गया है। कंपनी ने कहा कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए व्यय आवंटित करने को प्राथमिकता दी गई है।

निवेश में सालाना 15 फीसदी की वृद्धि होगी

कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा क्षेत्र 'उत्कृष्ण वृद्धि' के लिए तैयार है, जिसमें अगले पांच साल में निवेश में सालाना 15.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

## आरबीआई के ब्याज दर पर विशेषज्ञों ने दी राय

रेपो दर 6.5 फीसदी पर यथावत रखेगा आरबीआई

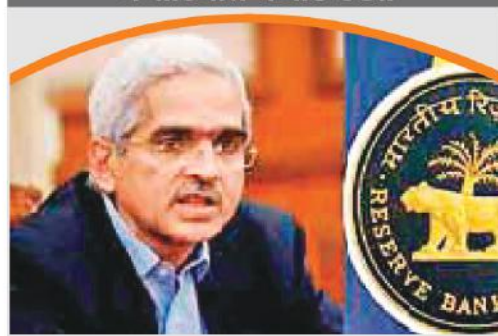
एजेसी ►► मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बृहस्पतिवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को एक बार फिर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रख सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा है कि केंद्रीय बैंक दर में कटौती करने से पहले अधिक व्यापक आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने फिलहाल अपनी ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है और संकेत दिया है कि आने वाले महीनों में मौद्रिक नीति में ढील दी जा सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि महंगाई का दबाव बने रहने के बीच आरबीआई ब्याज दर पर अपना रुख बदलने से पहले अमेरिकी मौद्रिक नीति पर बारीकी से नजर रखेगा।

इका की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में उच्च वृद्धि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4.9 प्रतिशत की मुद्रास्फीति के साथ मिलकर यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में रुख बना रही है। उन्होंने कहा कि अगस्त,

अमेरिकी फेड ने ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रखी



2024 की बैठक में रुख में बदलाव या दर में कटौती की गुंजाइश नहीं लग रही है।

एनपीसी भी दर कटौती से परहेज करेगा

मौद्रिक नीति समिति (एनपीसी) भी दर में कटौती से परहेज कर सकती है, क्योंकि शले ही ब्याज दर 6.5 प्रतिशत (रेपो दर) तक बढ़ा दी गई हो। आर्थिक वृद्धि अच्छी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिराम दास की अध्यक्षता वाली एनपीसी की बैठक 6-8 अगस्त के बीच होगी है।

मुद्रास्फीति आज भी उच्चतर पर : सबनवीस

दास आठ अगस्त (बृहस्पतिवार) को दर निर्धारण समिति के फैसले की घोषणा करेंगे। बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, हमें उम्मीद है कि आगामी नीतिगत समीक्षा में आरबीआई यथास्थिति बनाए रखेगा। मुद्रास्फीति आज भी 5.1 प्रतिशत के उच्चतर पर बनी हुई है।

अक्टूबर 2024 में बदलाव संभव

नायर ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर या दिसंबर तक की अनुपस्थिति में खाद्य मुद्रास्फीति अनुकूल हो जाती है, तो अक्टूबर, 2024 में रुख में बदलाव संभव है। इसके बाद दिसंबर, 2024 और फरवरी, 2025 में ब्याज दरों में 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है।

## एफपीआई ने जुलाई में शेयरों में 32,365 करोड़ रुपए डाले

एजेसी ►► नई दिल्ली

नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि तथा कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों की वजह से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 32,365 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, इस महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों (1-2 अगस्त) को एफपीआई ने शेयरों से 1,027 करोड़ रुपये निकाले हैं। बजट में इक्विटी निवेश पर पूंजीगत लाभ कर में बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से



अगस्त में एफपीआई ने बाजार से 1027 करोड़ रुपए निकाले

एफपीआई प्रवाह में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बाजारों से जुड़े घटनाक्रम अगस्त में एफपीआई की गतिविधियों का रुख तय करेंगे।

# वायनाड की भयानक त्रासदी अभी भी मिल रहे शव, तेजी से चलाया जा रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

365 पहुंची मृतकों की संख्या 30 बच्चे मरने वालों में शामिल

एजेसी वायनाड

केरल के वायनाड में भयानक भूस्खलन से हर रोज डराने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। मौत का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। अभी भी सैकड़ों लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

इसी बीच रविवार को कहा कि उत्तरी केरल के इस जिले में भूस्खलन प्रभावित इलाकों में छठे दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। इसके साथ ही उन स्थानों पर अधिक बल और उपकरण तैनात किए जाएंगे जहां शव मिलने की संभावना अधिक है।

219 शव अब तक मिल चुके  
143 से ज्यादा शरीर के टुकड़े मिले  
206 लोग अभी भी लापता



लोगों की हर संभव मदद की जाएगी, टाउनशिप भी बनाएंगे : केरल के मंत्री

राज्य के पर्यटन मंत्री पीएच मोहनमद रियास ने कहा कि शिविरो और अस्पतालों में मौजूद लोगों को हर संभव मदद दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने पहचान और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड्स ओ डिफेंड हैं उनको मदद के लिए तत्काल हस्तक्षेप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा किसी भी तरह से बाधित न हो। जिला प्रशासन के अनुसार, शनिवार रात तक 219 शव और 143 से अधिक शरीर के टुकड़े बरामद किए गए, जबकि 206 लोग अभी भी लापता हैं।

## 40 किलोमीटर के इलाके में तलाशी अभियान शुरू

बताया जा रहा है कि वायनाड, मलपपुरम और कोडिगुड जिलों से होकर बहने वाली गालियार नदी के 40 किलोमीटर के इलाके में तलाशी अभियान जारी रहेगा, क्योंकि मलपपुरम में नौलागुर के पास कई शव और अवशेष बरामद हुए हैं। भूस्खलन से तबाह हुए मुंडकई और चूरलमाला क्षेत्रों में ऑपरेशन पिछले कुछ दिनों की तरह ही जारी रहेगा और उन स्थानों पर अधिक बल और उपकरण आवंटित किए जाएंगे जहां मलबे के नीचे अवशेष मिलने की संभावना है।

## भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं किया जाएगा



नई दिल्ली। सतारूद भाजपा ने रविवार को वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की विभिन्न मांगों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के तहत ऐसी कोई नीति मौजूद नहीं है। विरुद्ध भाजपा नेता वी. मुरलीधरन ने अपने फेसबुक पेज पर इस बात की उजागर करते हुए 2013 के एक संसदीय दस्तावेज को साझा किया, जिसमें तत्कालीन गृह राज्य मंत्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने पुष्टि की थी कि 'प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

## राहुल गांधी ने की थी नेशनल डिजास्टर घोषित करने की मांग



राहुल गांधी हाल ही में वायनाड के क्षेत्र पर, जिस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने ऐसी त्रासदी केरल में कभी नहीं देखी, साथ ही राहुल गांधी ने इस आपदा को नेशनल डिजास्टर (राष्ट्रीय आपदा) कहा। वायनाड से पूर्व सांसद ने इससे वायनाड, केरल और राष्ट्र के लिए एक भयानक त्रासदी करार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है, लेकिन देखते हैं सरकार क्या करती है।

## पुणे में कलेक्टर ने सेना से मांगी मदद

महाराष्ट्र के पुणे में कलेक्टर ने भारतीय सेना से अनुरोध किया है कि खडकवासला बांध से पानी छोड़े जाने के दौरान सेना की तैनाती रहे, जिससे किसी भी स्थिति को कंट्रोल किया जा सके। पुणे के एकता नगर इलाके में भारतीय सेना की तैनाती की जाएगी। पुणे के खडकवासला, पावना, मुलशी, चस्कमान बांध के जलवहन बांधों से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। किलाला खडकवासला बांध से 27 हजार 16 क्यूसेक, मुलशी से 27 हजार 609 क्यूसेक, पावना से 5 हजार क्यूसेक, चस्कमान बांध से 8 हजार 50 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

## खबर संक्षेप

### बंगाल स्कूल मर्ती घोटाळा साहा के खिलाफ समन

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंगाल के विद्यालयों में भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी जांच के सिलसिले में सतारूद तुणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को पृष्ठछाछ के लिए समन जारी किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। साहा को घोटाळे में संलिप्तता के आरोप में सीबीआई ने पिछले साल गिरफ्तार किया था।

### सहारनपुर में पटरी से ट्रेन के 2 डिब्बे उतरे, क्षति नहीं

सहारनपुर। पश्चिम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रविवार को रेल हादसा हो गया, जहां 01619 पैसंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हादसे में ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से नीचे उतरकर दूसरी लाइन पर चले गए। यह ट्रेन दिल्ली से सहारनपुर की ओर आ रही थी। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं।

### सिविल लाइंस के खेबर में चला बुलडोजर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लैंड एंड डवलपमेंट ऑफिस ने करीब 32 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए बड़ा एक्शन शुरू कर दिया है। सिविल लाइंस से लगते खेबर में बुलडोजर की मदद से बने घरों को तोड़ा गया। लैंड एंड डवलपमेंट ऑफिस ने पिछले महीने इलाके का सर्वे करने के बाद सभी मकान मालिकों को नोटिस दिया था।

### एक दिन मर जाऊं... पर नाचते शिक्षक की मौत

जयपुर। यहां 45 साल के शिक्षक की एक कार्यक्रम में डंस करने के दौरान अचानक मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई के रितायरमेंट पर भजन संध्या का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शिक्षक डॉक्टर के साथ खुशी से झूम रहा था। नाचते-नाचते वह लड़खड़ाकर गिर पड़ा। गिरने के बाद शिक्षक बाद वापस खड़ा नहीं हो पाया। घटना जयपुर में रेणवाल के भैसलाना गांव की है।

### कोल इंडिया ने 1,645 बच्चों को दी छात्रवृत्ति

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड ने समाज की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत सीआईएल आशीष योजना शुरू की है। सीआईएल ने 1645 बच्चों को छात्रवृत्ति दी गई, जबकि अनुकंपा नियुक्ति के तहत 424 लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए हैं।

## गृह मंत्री शाह ने चंडीगढ़ में जलापूर्ति परियोजना का किया उद्घाटन

# मोदी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी 2029 में 'एनडीए' फिर बनाएगा सरकार

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्ष को दिखाया आईना

ये भी कहा- 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत शुरू की गई यह परियोजना, इससे जल का भंडारण सुनिश्चित होगा

एजेसी चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ के मनीमाजरा में चौबीस घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजना का रविवार को उद्घाटन किया। कुल 75 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस परियोजना से मनीमाजरा के एक लाख से अधिक निवासियों को लाभ मिलेगा, जिनमें मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, शिवालयिक एन्क्लेव, इंदिरा कॉलोनी और शास्त्री नगर में रहने वाले लोग भी शामिल हैं।



5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे

माजरा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मैं विपक्ष के मित्रों को आश्वासन देना चाहता हूँ कि यह सरकार न केवल 5 साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा। विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहे और विपक्ष में प्रगतिशील दल से काम करना सीखें। पंजाब के राज्यपाल व केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

## चिंता न करें, आएंगे तो मोदी ही

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन न केवल अपना कार्यकाल पूरा करेगा बल्कि 2029 में भी सरकार बनाएगा। मगर, आप चिंता मत कीजिए। वर्ष 2029 में भी राजग ही सत्ता में आएगा, नरेंद्र मोदी ही आएंगे।

महाराष्ट्र में सियाली गरमी पर राय ने कहा

## शाह हैं देश के दुश्मनों के दुश्मन



महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होगा है। विधानसभा चुनाव के पेलान में अमी काफ़ी वतत बाकी है लेकिन राज्य की सियासत अभी से गरम है। महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय तक दोस्त रहे भाजपा और ठाकरे परिवार अब जमकर एक-दूसरे पर शब्द बाण चला रहे हैं। अब भाजपा नेता नित्यानंद राय ने उद्भव ठाकरे पर पलटवार किया है। उद्भव ठाकरे ने शनिवार को अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज बताया था। उद्भव ठाकरे के इसी बयान पर रिप्लाइ कर रहे हुए नित्यानंद राय ने कहा कि देश के दुश्मनों का दुश्मन है अमित शाह। उन्होंने कहा कि उद्भव ठाकरे कांग्रेस पार्टी द्वारा लिखी स्किपट पढ़ रहे हैं और बार-बार हिंदुओं को काट देकर उद्भव ठाकरे बाला साहब की आत्मा को दुख पहुंचा रहे हैं।

## बेगूसराय में पार्क का शिलान्यास एएनएम ने घेरकर किया 'हंगामा' गिरिराज को बाइक पर भागना पड़ा

एजेसी बेगूसराय

यहां उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को विरोध का सामना करना पड़ा। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एएनएम ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को घेरकर जमकर हंगामा किया। हंगामा देख गिरिराज वहां से जैसे-तैसे निकल कर चले गए। सिंह कुंदन सिंह और राजकुमार सिंह के साथ डाक बंगला रोड स्थित उपर बालिका गार्ल्स स्कूल के पास पार्क के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे।



कैंटीन चौक के पास उनके घेराव का प्रयास किया गया। काफिले के नहीं रुकने पर दर्जनों एएनएम पैदल ही गार्ल्स स्कूल पहुंची और उन्होंने कार्यक्रम खत्म होत ही गिरिराज के वाहन को घेर जमकर हंगामा शुरू कर दिया। साथ ही साथ सिंदाव पर बहाल स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें घेर लिया और वे अपनी 12 सूत्री मांगों से उन्हें अवगत कराने लगीं।

## सुप्रीम कोर्ट की जज ने उठाए सवाल जहां पर काम करना चाहिए वहां भूमिका नहीं निभा रहे राज्यपाल

एजेसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीबी नागरला ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने तीखे अंदाज में कहा कि राज्यपाल वहां भूमिका निभा रहे हैं, जहां उन्हें नहीं निभाना चाहिए। जब उन्हें क्रियाशील होकर अपनी भूमिका को निभानी चाहिए, तब वो ऐसा नहीं कर रहे हैं। जस्टिस नागरला की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने अपने राज्यपालों द्वारा विधेयकों को मंजूरी न देने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।



बेंगलुरु में एनएलएसआईयू पैक्ट कॉन्फ्रेंस में समापन मुख्य भाषण देते हुए जस्टिस नागरला ने कहा कि आज दुर्भाग्य से भारत के कुछ राज्यपाल ऐसी भूमिका निभा रहे हैं, जो उन्हें नहीं निभानी चाहिए और जहां उन्हें निभाना चाहिए, वहां निष्क्रिय हैं। सुप्रीम कोर्ट में राज्यपालों के खिलाफ विशेष चूट की भी सुनाववाई होनी है।

## 'हरियाली अमावस्या' पर गणेश पूजन

### 'आदि अमावसई' पर अनुष्ठान



जयपुर। एक पूजारी ने रविवार को जयपुर के मोती झुंगरी मंदिर में 'हरियाली अमावस्या' के अवसर पर भगवान गणेश का 'अभिषेक' कराता हुआ।



## हरियाणा में सीएम सैनी ने किया बड़ा ऐलान

# 24 फसलों पर मिलेगी एमएसपी, बकाया करेंगे माफ

एजेसी चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी ने किसानों के लिए बड़े ऐलान किए हैं। सीएम नयब सिंह सैनी ने किसानों के 133 करोड़ के बकाए की माफी का ऐलान किया। 10 नई फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की भी घोषणा की है। अब हरियाणा सरकार किसानों से 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर करेगी। सैनी ने कुरुक्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए किसानों के आबियाने के 133 करोड़ का बकाया माफी का ऐलान किया है। सीएम सैनी ने कहा कि अब तक हम 14 फसल एमएसपी पर खरीदते रहे हैं, लेकिन अब से 10 नई फसलों भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगे। केंद्र सरकार भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 24 फसलों की खरीद करती है।

## केंद्र भी कर रहा 24 फसलों की खरीदी

किसानों का 133 करोड़ बकाया माफ



सैनी ने कहा कि साल 2023 से पहले फसलों के प्राकृतिक आपदा से खराबे के 137 करोड़ एक सप्ताह ने दे दिए जायेंगे। किसान जिनके दायरान में बिजली निगमों ने लगाए हैं। उनके खराब होने पर ये दायरानों में बिजली निगम अपने खर्च पर बदले जायेंगे और किसानों से शुल्क नहीं लेगे। द्यूखवैत के लिए 3 स्टार मोटर बेचने वाली कंपनियों से ले सकेंगे।

## 137 करोड़ की मुआवजा राशि राशि जल्द देगे

सैनी ने कहा कि ट्यूबल बनाने वाली सभी तीन स्टार कंपनियों हरियाणा में आएगी। किसानों का 133 करोड़ 55 लाख 48000 का ऋण माफ किया जाएगा। 137 करोड़ की मुआवजा राशि अगले हफ्ते में दी जाएगी।

## 'महारा हरियाणा नॉन स्टॉप हरियाणा' विजय शंखनाद रैली का किया शुभारंभ

कुरुक्षेत्र से भाजपा की विजय शंखनाद रैली की शुरूआत रविवार को हुई। 'महारा हरियाणा नॉन स्टॉप हरियाणा' रैली निकाली गई। रैली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम कुरुक्षेत्र से चुनाव अभियान का शंखनाद कर रहे हैं। 90 की 90 विधानसभा में मजबूती करेंगे। जनसंख्या हमारी नीतियों पर आपका विश्वास ब्रिज रहा है। इस पावन धरा से जीता का ज्ञान दिया गया। हमने प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का काम किया। हमने मरीचों को लाभ पहुंचाया है। हमने बिजोलिया प्रथा खत्म की है। हमने मेढमाव दूर करके विकसित हरियाणा का निर्माण किया है। आज हर हरियाणवी का सपना साकार हो रहा है। हमने नए हरियाणा को नया आकार दिया है।

## गुजरात हाईकोर्ट का फैसला

# बहानेबाजी नहीं चलेगी, हर हाल में पत्नी को गुजारा भत्ता देना ही होगा

एजेसी अहमदाबाद

गुजरात हाई कोर्ट ने गुजारे-भत्ते के संबंध में अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि पति अपनी पत्नी को हर हाल में गुजारा भत्ता देगा। अगर पति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ है तो उसे अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देना ही होगा। आप किसी भी महिला को गुजारे भत्ते से वंचित नहीं रख सकते। कम आय या परिवार के अन्य लोगों के खर्च देखने हैं, ऐसी बहानेबाजी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं है। यह फैसला एक विवाहित महिला के भरण-पोषण के अधिकार पर एक



महत्वपूर्ण आदेश में गुजरात उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि यदि पति स्वस्थ और सक्षम है, तो अन्य परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण या चिकित्सा बिलों का भुगतान करने जैसे निराधार बहाने कानून में अवैध हैं, क्योंकि पत्नी का भरण-पोषण का अधिकार पूर्ण है, जब तक वह अयोग्य न हो।